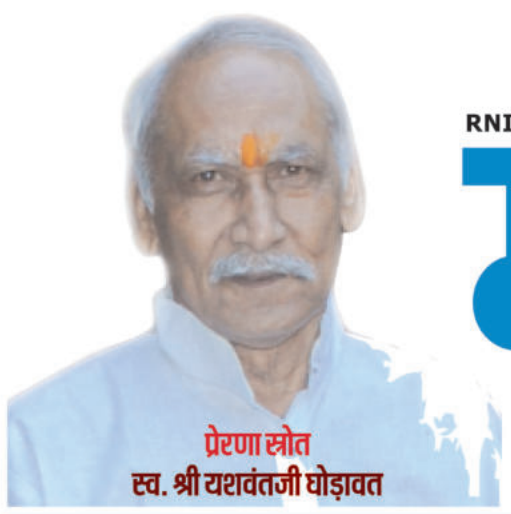

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सच्चाई के लिए कुछ भी छोड़ देना चाहिए, पर किसी के लिए भी सच्चाई नहीं छोड़ना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद

वर्ष-05, अंक - 42 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 20 जुलाई 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

वाह रे खाकी तेरा जवाब नहीं, जब खुद की फंसती है तो गधे को भी अपना बाप बनाकर बच जाती है, कोई और फंसता है तो उसे कर देती है नस्तोनाबूद

मामलाः करवड़-सारंगी चौकी का, जिसमें नहीं खरीद पाई खाकी वर्दी माही की गूंज को तो पीड़ित को भी अपना बनाकर मामले को खत्म करने का किया प्रयास

एसपी साहब, एक बेगुनाह को गुनेहगार जैसा किया ट्रीट, घटना के बाद आपकी अधीनस्थ पुलिस ने अपने आप को बचाने के लिए किस-किस से किया फोन से संपर्क करें साइबर सेल से जांच

माही की गूंज। संजय भटेवरा

माही की गूंज सदैव अच्छे कार्य की सराहना करती है लेकिन कोई भी गलत कार्य होने पर उसे प्रमुखता से उजागर करने में भी पीछे नहीं रहती है।

खाकी वर्दी यानी पुलिस की बात करें तो मीडिया में अक्सर पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगते हैं और समाचार भी प्रकाशित होते रहते हैं। जिले के ग्रामीण अंचल में पुलिस को तरकड़ा व टेगडा (कुतरे) की उपाधि से आपसी चर्चा में संबोधित किया जाता है और कहा जाता है कि, यह तरकडे उर्फ़ कुतरे की जात ऐसी है कि, किसी दूसरे की गलती हो तो कानून का पाठ पढ़ाकर उसे नस्तोनाबूद कर देते हैं और खुद पर आ जाए तो गधे को भी अपना बाप बनाकर अपना उल्लू सीधा करने में कोई चूक यह नहीं करते। यानी कहा जाता है यह खाकी वर्दी उस कुत्ते से भी नाकाम है जो अपने मालिक के लिए तो वफादार होता है लेकिन यह खाकी वर्दी पहने हुए भ्रष्ट पुलिसकर्मी जो अपना हित सर्वोच्च रख अपने आप को बचाने के लिए हर निचले स्तर तक चले जाते हैं।

ऐसा ही एक मामला पेटलावद थाना क्षेत्र में आया। जिसमें फसती हुई खाकी वर्दी ने अपने आप को बचाने के लिए गधे को भी अपना बाप बनाने की कहावत को चरितार्थ कर अपने आप को बचाने का प्रयास किया। जिसमें मीडिया को भी अपना मोहरा बनाने में कोई चूक नहीं की। और अपने आला अधिकारी को गांधीजी के तीन बंदर की तरह बना दिया, जो अंधे, गूंगे, बहरे हैं और जो अधीनस्थ अधिकारी ने कहा वह मान मामले को रफा-दफा कर दिया।

सीधी के पेशाब कांड का मामला प्रदेश में सुर्खियों में था। वही पेशाब कांड में विपक्षी भी भाजपा सरकार पर अपने तीखे तेवर दिखा रही थी, इसी बीच पेटलावद थाने की करवड एवं सारंगी पुलिस ने पेटलावद टीआई राजूसिंह बघेल के निर्देशन एवं उनकी मौजूदगी के साथ करवड पुलिस चौकी प्रभारी रुखमणी अहिरवार एवं स्टाफ, करवड चौकी क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुरा निवासी दलित बंटू पिता हरीश हिरोत को 7 व 8 जुलाई की मध्यरात्रि में एक मंदिर में हुई चोरी के मामले में संदेह के आधार पर पकड़ने के लिए उसके घर पहुंची व देर रात्रि में बंटू के पूरे घर की तलाशी लेने के बाद पुलिस बंटू को लेकर करवड़ पुलिस चौकी पहुंची। जहां पुलिसिया ट्रीट ऐसी दी कि, उसे एक आदतन अपराधी की तर्ज पर उल्टा लटकाकर ऐसा पीटा की उसके शरीर पर निशान भी दिखाई दिए। पुलिस की हैवानियत व उसकी मनमानी का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित परिवार ने पुलिस के द्वारा प्रताड़ित किए जाने व इस तरह से पीटा कि, 2 दिन बाद तक भी पुलिस द्वारा पीटे गए चोटों के निशान उसके पुट्ठे व मलद्वार तक दिखाई पड़ रहे थे।

उक्त मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित ने करवड पुलिस चौकी परिसर में ही पुलिस की मौजूदगी में माही की गूंज के कैमरे के सामने हमारी टीम को बताया कि, पुलिस ने बिना किसी अपराध के ही बंटू को चौकी लेकर आई और उसे बेरहमी से पीटा। करवड चौकी के अलावा सारंगी चौकी पर बंटू को ले जाया गया और वहां भी पुलिसिया ट्रीटमेंट दिया गया। चोरी के मामले में जब कोई पुख्ता तथ्य पुलिस साबित नहीं कर पाई तो बंटू पर दबाव बनाया गया कि, अन्य आदमी का नाम बता दे जिसने मंदिर में चोरी की है। 21 घंटे तक पुलिस एक बेगुनाह को पुलिसिया ट्रीटमेंट देती रही। इसके बाद पीड़ित की पत्नी व भाई ने पुलिस के सामने ही बताया कि, करवड चौकी प्रभारी रुखमणी अहिरवार के कहने पर 14 हज़ार रुपये किस पुलिस कर्मचारी ने लिए, जिसके बाद पुलिस खुद 14 हज़ार रुपये लेने के बाद पुलिस 8 जुलाई शनिवार शाम बंटू को छोड़ने आई।

पीड़ित ने गूंज के कैमरे के सामने चौकी परिसर में खड़े रहकर पुलिस की मौजूदगी में ही यहां तक बताया कि, बंटू को पुलिस ले गई उसके बाद परिजन करवड चौकी पहुंचे तो पुलिस उन्हें कभी झाबुआ थाने, तो कभी कल्याणपुरा, रायपुरिया तो कभी सारंगी चौकी पर बंटू को ले जाना बताया और माही की गूंज कैमरे के सामने पीड़ित बंटू ने पुलिस की हैवानियत की कारस्तानी उसके शरीर पर लगे चोटों के निशान जो पुट्ठे व मलद्वार तक बयां कर रहे थे उसे पिडीत की पत्नी व भाई ने कपड़े उतार कर सरेआम बताया।

पेटलावद टीआई राजु सिंह बघेल।

करवड़ चौकी प्रभारी रूखमणी अहिरवार।

सांरगी चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान।

इन खाकी वर्दी पहने पुलिस अधिकारी ने अपने आप को बचाने के लिए एसपी साहब को भी गाधी जी के तीन बंदर की तरह कार्य करने की दे दी उपाधी।

एसपी साहब, पीड़ित बंटू पुलिस की मार के बाद इस हालत में भी नही था कि,वह अपने कपड़े खुद उतार सके, पत्नी व भाई ने माही की गूंज के कैमरे के सामने कपड़े उतारकर पुलिस की बरबर्ता बताई की किस तरह से पुलिस की मार से पुट्ठे व मलद्वार तक चोटील हुआ बंटू।

पुलिस की हैवानियत, पीड़ित की जुबानी माही की गूंज कैमरे में हुई कैद तो पुलिस आयी हरकत में

पुलिस अपने-आप को बचाने के लिए किस तरह से गधे को भी अपना बाप बनाने में नहीं चुकती, जिसका रूबरू अनुभव हमने उक्त घटना के बाद भी किया। पीड़ित दलित बंटू एवं परिवार की मुंह जुबानी पुलिस की हैवानियत व कारस्तानी माही की गूंज कैमरे में कैद हुई। तो पुलिस ऐसी हरकत में आई की व इस मामले को रफा-दफा करने के लिए अपने हर दांव-पेंच लगा दिए।

पुलिस के आला अधिकारी ने अपने दांव-पेंच लगाते हुए यह प्रयास किया कि, आखिर कैसे माही की गूंज कैमरे में हुई कैद इस घटना को रफा-दफा किया जाए। हमारी पेटलावद व करवड गूंज टीम सदस्यों से मुलाकात होने पर पुलिस नाकाम रही।

दो बार पहुंची पुलिस की कार आधी रातों में माही की गूंज कार्यालय

उसके बाद 9 जुलाई की रात में ही एक आरक्षक जो इस प्रतिनिधि को व कलम की निष्पक्षता को जानता है का सहारा लिया और करवड़ चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक व अन्य पुलिसकर्मी के साथ खवासा गूंज कार्यालय सेलेरियो कार लेकर पहुंचे और इस बात की गुहार कि, की यह मामला कैसे भी रफा-दफा हो जाए और पीड़ित की जुबानी कैमरे में हुई कैद उक्त घटना माही की गूंज चैनल या समाचार पत्र में प्रकाशित न हो। साथ ही प्रधान आरक्षक ने कहा, पीड़ित परिवार अब कोई शिकायत नहीं करना चाहता है, जिससे हमारी बात हो गई है। हमारे मित्र की तरह परिचित आरक्षक ने भी अनुरोध किया कि, यह मामला माही की गूंज में प्रकाशित ना हो। जिस पर घर आए व्यक्ति का मान रखते हुए हमने 1 दिन का समय देते हुए कहा अगर शिकायतकर्ता पीड़ित परिवार गूंज टीम को कह दें कि, हम किसी प्रकार की शिकायत या समाचार पत्र में समाचार प्रकाशित करवाना नहीं चाहते हैं यह कल सुबह तक भी कह देगे तो मैं समाचार प्रकाशित नही करूगा। अन्यथा आज के लिए समाचार रोक कर कल समाचार प्रकाशित करूगा। लेकिन दूसरे दिन सुबह तक पीड़ित परिवार ने गूंज को शिकायत वापस लेने की बात व समाचार प्रकाशित नहीं करने की बात नहीं कही। जिसके बाद माही की गूंज ने अपनी कर्तव्य निष्ठा के साथ यूट्यूब चैनल पर समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया। जिसके बाद पुलिस फिर हरकत में आई और हमारे यूट्यूब चैनल पर प्रकाशित समाचार को डिलीट करवाने के लिए हर तरह के पैतरे यानी हमें हर हाल वं हर मोल पर खरीदने तक का प्रयास किए गए। जिसके तहत पुलिस के अधिकारियों ने हमारे चित-परिचित थांदला, पेटलावद, मेघनगर, झाबुआ, पिटोल सभी से संपर्क कर किसी भी स्थिति में यह वीडियो समाचार डिलीट करवाया जाए का प्रयास किया। वही कहा कि, आदेश एसपी साहब ने दिए हैं कि रातम्-रात वीडियो डिलीट नहीं होने पर एसपी साहब पेटलावद, सारंगी व करवड़ पुलिस पर बड़ी कार्यवाही करेंगे कहीं। जिस पर हमारे चित-परिचितो ने भी 10 जुलाई की देर रात्रि तक यूट्यूब चैनल पर प्रकाशित उक्त घटना को डिलीट करवाने के लिए पुलिस के कहे अनुसार हम से अनुरोध किया। लेकिन गूंज अपने व्यवस्थाओं एवं अपने कर्मनिष्ठा से कभी नहीं भटकता है। इसलिए प्रकाशित हुए किसी भी समाचार को हमारे द्वारा डिलीट नहीं किया जाता है, हमारे मित्रो को कहा गया।

जिसके बाद पुलिस ने अपने दांव- पेंच चलाते हुए करवड़, गंगाखेड़ी, बामनिया आदि स्थान पर प्रतिनिष्ठ व्यक्तियों जिनमें से कुछ ऐसे भी थे जिनकी करवड की भ्रष्ट चौकी प्रभारी रुखमणी अहिरवार से अनबन हो गई उसे भी मनाकर माही की गूंज में प्रकाशित वीडियो को रातों-रात डिलीट करवाने का प्रयास किया। तथा रात 2 बजे उसी पुलिस की सेलेरियो कार से हमारे पेटलावद संवाददाता को लेकर प्रतिष्ठित व्यक्ति व पुलिस रात में दरवाजा बजाकर हमारी नींद हराम कर समाचार डिलीट करवाने का प्रयास किया और सीधे पेटलावद टीआई राजू सिंह बघेल से फोन पर बात करवाई। साहब ने कहा, उक्त भाई साहब से, आप जो भी कहोगे तो वह काम हम कर देंगे बस समाचार को डिलीट कर दो इस प्रतिनिधि से कहा।

प्रतिनिधि ने भी साहब को संक्षिप्त में कहा कि, साहब मीडिया भी अपनी टीम वर्क के साथ अपना काम करता है और जनहित में प्रकाशित हुआ समाचार डिलीट नहीं किया जा सकता है, जो हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके बाद करीब 4:30 बजे पुलिस एवं जनप्रतिनिधि हमारे कार्यालय से गए।

पुलिस ने पीड़ित व विपक्ष को लिया अपने झांसे में

पुलिस अपने-आप को बचाने के लिए हर दांव खेल सकती है यह सही है। जब पुलिस माही कि गूंज को खरीदने में असफल रही तो 11 जुलाई को गरीब एवं दलित पीड़ित परिवार को अपने झांसे में लेकर करवड़ के स्थानीय कुछ पत्रकार का उपयोग कर, पीड़ित परिवार का भाई प्रकाश हिरोत से कहलवाया कि, परिवार की आपसी लेन-देन में व गुस्से में आकर कह दिया था। पुलिस ने किसी प्रकार की कोई मारपीट बंटू के साथ नहीं की का वीडियो पत्रकार के माध्यम से यूट्यूब पर प्रकाशित करवाया। लेकिन उक्त वीडियो को किसी भी सोशल मिडीया ग्रुप में पोस्ट नहीं किया गया। लेकिन पुलिस के द्वारा ही कहा जा रहा है माही की गूंज ने वीडियो डिलीट नहीं कर अपना आर्थिक बड़ा नुकसान किया है। हमने तो 11 तारीख वाला वीडियो एसपी साहब को बताकर पूरा मामला रफा-दफा कर दिया। वहीं यह भी चर्चा है कि, पुलिस उक्त मामले से इसलिए डरी हुई थी कि, सीधी का पेशाब कांड गरमाया हुआ था और यह मामला भी उसी की तरह था। वही मामले को जिले के सत्तापक्षीय के तीनों कांग्रेसी विधायक व प्रदेश में विपक्षी पार्टी के यह विधायक या कोई कांग्रेसी नेता इस मुद्दे को सीधी के पेशाब कांड की तरह नहीं उठाये, इसलिए कांग्रेस नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों से भी पुलिस ने अनुरोध किया कि, चर्चा भी दबी जुबान में कहीं जा रही है। जिसके चलते भाजपा पर हमला करने वाले जिले के सभी कांग्रेसी नेता व जनप्रतिनिधि ने इस मुद्दे को नहीं उठाया।

एसपी साहब, क्या आप गांधीजी के तीन बंदर की तरह गूंगे, बहरे, अंधे हो...?

दलित व एक बेगुनाह के साथ पुलिस की ऐसी दरिंदगी व उसके बाद अपने गुनाहों को छुपाने के लिए मीडिया को खरीदने व प्रकाशित हुए समाचार को डिलीट करवाने का प्रयास करना व प्रयास में असफल होने पर पुलिस द्वारा अपने आप को बचाने के लिए अन्य पत्रकार को प्रलोभन देकर अपने झांसे में लेना। पीड़ित परिवार को धमकाकर या आर्थिक लाभ देकर अपनी कारस्तानी का रुप बदलवाना क्या एसपी साहब यह अपराध नहीं है...? और क्या एसपी साहब जिस तरह से आपके अधीनस्थ अधिकारियों ने आपको गांधीजी के तीन बंदर अंधे, बहरे, गूंगे की उपाधि दी यह कहां तक उचित है...? सरेआम सार्वजनिक है कि, आपकी अधीनस्थ पुलिस ने किस तरह की हैवानियत का कार्य किया और उसके बाद आपका नाम लेकर समाचार डिलीट करवाने का प्रयास किया और साथ ही अपने प्रयास में सफल नहीं हुए तो पीड़ित को अपने अधीन लेकर अन्य पत्रकार का उपयोग कर बयान बदलवाकर, बदले हुए बयान आपको प्रस्तुत कर एक अदने प्रधान आरक्षक को पेटलावद थाने पर ट्रांसफर कर मामले को रफा-दफा करना कहां तक आपके लिए उचित था..?

ऐसे में यहां यही मानना सही है कि, क्या आपको जो गांधीजी के तीन बंदर की उपाधि अंधे, बहरे, गूंगे की आपके अधिनस्थ अधिकारियों ने ही दी है उसी उपाधि के साथ क्या आप अपना कार्य करते हैं...? यह तो आप ही आगे अपनी कार्यप्रणाली के साथ बता सकते है...।

इस कार से 2 बार आधी-आधी रात में मामले को रफा-दफा करने के लिए खवासा गूंज कार्यालय जनप्रतिनीधी व पुलिस पहुंची।

पीड़ित की पत्नी ने करवड़ चौकी परिसर में पुलिस की मौजूदगी में चौकी प्रभारी के निर्देश पर किस पुलिस कर्मचारी ने 14 हजार की रिश्वत लेकर उसके पति को झुठे आरोपों से छोड़ा अपने हाथ के इशारे से उस पुलिसकर्मी को गूंज कैमरे के सामने बताया।

11 जूलाई को पुलिस के दबाव या प्रलोभन में आकर पीड़ित का भाई प्रकाश हिरोत ने मिडीया का उपयोग कर अपने बयानों से बदले।

जनसुनवाई में हुई शिकायत से बाहर आया मामला, धोखाधड़ी कर फर्जी फोटो लगाकर भुगतान करने का आरोप

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम पंचायत करडावद के निवासी गोपाल आंजना ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देते हुए बताया कि, राजाराम आंजना द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्राम पंचायत के साथ मिलकर धोखाधड़ी कर फर्जी फ़ोटो ऑनलाइन अपलोड कर भवन के लिए शासन से मिलने वाली राशि ले ली, जबकि मकान की स्थिति जस की तस है।

मकान स्वीकृत होने के समय की स्थिति में मकान।

दूसरी किश्त भुगतान के लिए अपलोड दूसरे स्थान का फोटो।

तीसरी ओर चौथी किश्त के भुगतान के लिए ग्राम पंचायत द्वारा अपलोड फ़ोटों।

शिकायत कर्ता ने बताया कि, हितग्राही द्वारा फर्जी फोटो लगाकर तथा पृथक स्थान के फोटो लगाकर, षडयंत्रपूर्वक शासन के साथ धोखधडी करते हुए तथा छल व कपटपुर्वक असत्य दस्तावेज तैयार करते हुए उक्त राशि को प्राप्त किया गया है। जबकि जिस स्थान पर आवास निर्मित करने हेतु राशि स्वीकृत की गई है तथा उक्त स्थान आज भी वर्षो पुर्व की तरह कच्चा टीन शेड का बना हुआ है और ग्राम पंचायत से मिल मिलाकर राशि प्राप्त की गई है। जिसकी पुष्टि मौका स्थिति का मुआयना कर की जा सकती है। कारण तत्काल मौका मुआयना किया जावे तथा पंचनामा बनाया जावे। शिकायतकर्ता के अनुसार राजाराम किसी भी रूप में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त करने का पात्र नही है, उसके बावजुद उक्त व्यक्ति व ग्राम पंचायत द्वारा मिल मिलाकर शासन की राशि का दुरूपयोग किया गया है। जिसकी उचित जांच की जावे एवं राजाराम व ग्राम पंचायत द्वारा की गई धोखाधडी का पुलिस प्रकरण दर्ज किया जावे।

वर्तमान स्थिति का फ़ोटो जिंसमे हितग्राही कच्चे मकान का पर्दा तक नही बदल पाया।

मात्र 20 दिनों में हो गया तीन किश्तों का भुगतान

प्रधानमंत्री आवास योजना के अनुसार हितग्राहियो को प्रथम किश्त का भुगतान निर्माण शुरू करने के पूर्व किया जाता है। इसके बाद कार्य की प्रगति छत हाइट, छत भरने ओर निर्माण पूर्ण होने पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में ऑनलाइन रिकॉर्ड को देखा जाए तो पहली किश्त के बाद होने वाला पूरा कार्य मात्र 20 दिन में पूर्ण कर लिया गया। ग्राम पंचायत करडावद के द्वारा हितग्राही राजाराम आंजना को प्रथम किश्त 25 हजार फरवरी 2023 में जारी किए गए, जिसके बाद 3 मई 2023 को 40 हजार, 15 मई 2023 को 40 हजार और मात्र 8 दिन के बाद 23 मई 2023 को 15 हजार का भुगतान किया गया। जो कि अपने आप मे प्रश्न चिन्ह खड़े कर रहा है। बताया जा रहा है ग्राम पंचायत करडावद की जांच की जाए तो ऐसे कई मामले सामने आ सकते है जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वकाशी योजना को भी स्वयं की बंदरबांट के लिए नही छोड़ते।

निजी टावर कंपनी की डीपी बीच रोड पर लगी होने से हो सकता है बड़ा हादसा

टावर कम्पनी से कई बार मांग करने के बाद भी नही हटी डीपी, रहवासियों ने एसडीएम से लगाई गुहार

माही की गूंज, पेटलावद।

बीच रोड पर लगी डीपी रहवासीयों के लिए बनी खतरा, रविवार को भी बडा हादसा डला। यदी ट्रेक्टर-ट्राली की टक्कर से डीपी गिर जाती तो कोई बडी जनहानी हो सकती थी। रहवासीयों में आक्रोश डीपी हटाने की मांग उठ रही है। टावर कंपनी वालो ने बीच रोड पर निजी डीपी लगा रखी है। नगर के रहवासी क्षेत्रों में मोबाइल टावर लगे हुए है जो की आमजन की सेहत के लिए बहुत बुरा असर डाल रहे है। इन टावर के साथ-साथ इनकी डीपीयां भी आज आमजन के लिए परेशान की सबब बन चुका है। जिसमें सर्वाधिक रूप से परेशान करने वाली डीपी दामोदर कालोनी में लगी हुई है जो की आमजन के लिए खतरा बनी हुई है। प्रशासन भी किसी बडी दुर्घटना के इंतजार में है क्योंकी जब यह टावर व डीपी लगी थी तभी से इसका विरोध हो रहा है किंतु प्रशासन ने इस और ध्यान नहीं दिया। अब दामोदर कालोनी में रहवासीयों की संख्या बढ चुकी है बीच रोड पर लगी यह डीपी आए दिन हादसों का कारण बन रही है। कई बार तो दुर्घटनाएं हो चुकी है, किंतु अभी तक कोई जनहानी नहीं हुई है। प्रशासन को किसी बडी जनहानी का इंतजार है। मुख्य रोड पर लगी इस डीपी के कारण रविवार को भी एक ट्रेक्टर-ट्राली फंस गए थे। जिस कारण बडी दुर्घटना हो सकती थी। यहां तक की ट्राली में बैठे लोगों के जानतक बन आई थी। किंतु रहवासीयों की मदद व चालक की समझदारी से दुर्घटना में कोई जनहानी नहीं हुई और ट्रेक्टर-ट्राली को सुरक्षीत निकाल लिया गया। इस घटना के बाद रहवासीयों के मन में गुस्सा एक बार फिर फूट पडा है। उनका कहना है कि, प्रशासन को रहवासी क्षेत्र से बीच रोड पर लगी अवैध डीपी को हटाना चाहिए। जिसके लिए हमारे द्वारा प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया किंतु कोई सुनवाई नहीं होती है।

रोड के बीच में लगी डीपी पूर्ण रूप से अवैध है क्योंकी यह निजी टावर की डीपी है जो की टावर वाले स्थान पर ही लगना चाहिए। किंतु उसे वहां न लगाते हुए मनमाने तरीके से बीच रोड पर लगा दिया गया है। रहवासियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। यदि प्रशासन हमारी मांग नहीं मानेगा और इस डीपी को यहां से नहीं हटायेगा तो हमें आंदोलन करना पडेगा। रहवासियों का कहना है कि, प्रशासन को स्वयं ही संज्ञान में लेकर इस डीपी को हटवाना चाहिए क्योंकी यह आमजन के लिए खतरा बनती जा रही है। यहां पर आने-जाने वाले वाहनों के लिए भी खतरा है। इसके साथ ही रहवासी क्षेत्र होने से छोटे-छोटे बच्चें भी यहां खेलते रहते है जो की उनके लिए भी खतरा है। इस संबंध में रहवासियों द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई में भी आवेदन दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक युवती गम्भीर रुप से घायल

माही की गूंज, करवड़।

बुधवार शाम को सारंगी-करवड रोड पर सुल्तानपुरा-मातापाड़ा के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक युवती गंभीर रुप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कार चालक ने दुपहिया वाहन सवार को टक्कर मार दी, दुर्घटना में युवती का पैर टूट कर अलग हो गया। घायल को करवड़ हॉस्पिटल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बात सिविल अस्पताल पेटलावद रेफर किया गया। घायल युवती मोहनपुरा की बताई जा रही है।

शासकीय हाई स्कुल करड़ावद बड़ी में मिशन महिमा अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया, महिला एवं बाल विकास विभाग आयुक्त

माही की गूंज, झाबुआ।

महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के आयुक्त डॉण् रामराव भोंसले एवं कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा शासकीय हाई स्कुल करडावद बड़ी विकासखण्ड रानापुर में मिशन महिमा अंतर्गत कार्यक्रम में पहुंचे।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन पर नाटक एवं अन्य माध्यम से प्रदर्शन कर बच्चो द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन पर जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास विभाग आयुक्त द्वारा प्रशंसा करते हुवे कहा गया कि माहवारी एक ऐसा विषय है जिस पर लोग खुल कर बात नहीं करते हैए लेकिन यहाँ पर बालिकाओ द्वारा इस विषय पर खुल कर बात की गई द्य आमतोर पर देखा जाता है कि हम शिक्षा पर विशेष ध्यान देते है लेकिन स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते लेकिन हमें शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ए माहवारी स्वच्छता के साथ ही शरीर के पुरे स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिएद्य हमें स्वस्थ एवं संतुलित भोजन करना चाहिएद्य

इस कार्यक्रम अंतर्गत सेनेटरी पेड वेंडिंग मशीन स्कुल में वितरित की गयी। जिससे माहवारी के दिनों में लड़कियां जरूरत पड़ने पर इस मशीन में पांच रुपये का सिक्का डालके सेनेटरी पेड ले सकती है। इस प्रकार की सुविधाओ से मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों को बालिका एवं महिलाओ तक आसानी से पहुचाया जा सकता हैद्य

मिशन महिमा का उद्देश्य मासिक धर्म ज्ञान और बुनियादी आवश्यकताओ को पूरा करना हैद्य झाबुआ कलेक्टर के नेतृत्व में मिशन महिमा कार्यक्रम मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता विषय पर सटिक जानकारी की कमी को पूरा करने का प्रयास कर रहा है।

आयुक्त और कलेक्टर द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया कि इसे सुरक्षित तरीके से प्रबंधित करने में सक्षम होने के लिए लड़कियों को इसके बारे में जागरूक होना चाहिए और उन्हें स्कूल आना जारी रखना चाहिए। कई बार देखा जाता है कि स्कूल में मासिक धर्म का उचित प्रबंधन न होने के कारण लड़कियां स्कूल आना बंद कर देती हैं। लेकिनए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन पर प्रशिक्षण स्कूल में इस दृश्य को बदल सकता है ।

इस कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री विश्वकर्माए तहसीलदार रानापुर श्री सुखदेव डावरए महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्री राधू सिंह बघेलए सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहराए डीपीसीए अन्य अधिकारीगण एवं यूनीसेफ से स्वाति दे उपस्थित रही।

शासकीय धन का आहरण करने पर ग्राम पंचायत छागोला के पूर्व सरपंच एवं पूर्व सचिव के विरुद्ध कार्यवाही की गई

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के आदेशानुसार पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत छागोला जनपद रानापुर गुलाबसिंह सिंगाड द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरूपयोग करने पर वसूली योग्य राशि 92,500 रुपये का आदेश पारित किया गया।

साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप ग्राम पंचायत छागोला के पूर्व सचिव रमेश सिंगाड (वर्तमान पदस्थ . ग्राम पंचायत उबेराव जनपद रानापुर) की 02 वेतनवृद्धि प्रभाव से रोकी गई। आदेश प्राप्ति के 1 माह के अन्दर सरपंच द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रानापुर में राशि जमा नहीं कराने पर उनके विरुद्ध भू-राजस्व संहिता एवं पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम तड़वी, पटेलों को दिया गया पैसा कानून का प्रशिक्षण

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय जनपद पंचायत पेटलावद के सभाकक्ष में ग्राम तड़वी पटेलों का प्रशिक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिल राठौर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमें पैसा ब्लाक समन्वयक कैलाश निनामा ने पैसा के सभी प्रावधानों को विस्तार रूप से बताया। ग्राम की सनातन संस्कृति और परंपरागत रीति-रिवाजों का सरंक्षण करना एवं गांव के देव स्थानों की रूढ़िगत पूजा पद्धति एवं अपने पूर्वजों के समय से चली आ रही परंपरागत संस्कृति को बनाए रखने को कहा। ग्राम में तड़वीयों की क्या भूमिका होनी चाहिए इस बात को लेकर चर्चा की गई। साथ ही उनसे आग्रह किया की आप लोग भी पैसा के प्रावधानों को धरातल पर आम लोगों तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि, पैसा कानून में आप लोगों को जल, जंगल और जमीन के विशेष अधिकार दिए हैं साथ ही शांति एवं सुरक्षा, भूमि प्रबंधन, जल संसाधन एवं लघु जल संभर की योजना और प्रबंधन, खान और खनिज, मादक पदार्थों पर नियंत्रण, श्रम शक्ति, गौण वनोपज, बाजारों तथा मेलों पर नियंत्रण, साहूकारी, संस्कृति का सरंक्षण,सामाजिक क्षेत्रों की संस्थाओं और कार्यकर्ताओं पर नियंत्रण तथा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में हितग्राहियों का चयन करना आदि बिन्दुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया ताकि ग्राम तड़वी पटेलों में पेसा कानून को लेकर किसी जानकारी का कोई अभाव न रहे। इस अवसर पर विभिन्न ग्रामों के ग्राम तड़वी पटेल एवं ग्राम सभा मोबलाइजर उपस्थित रहे।

नेता के वादे चुनावी जुमले

माही की गूंज, काकनवानी।

चुनाव सर पर आते ही राजनीतिक हलचल शुरू हो जाती है। इसी दौर में ग्रामीण क्षेत्र कहें या पलवाड़ क्षेत्र कहें जगह-जगह गांव, फलियों में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। भोली भाली जनता को बरगलाने की कोशिश शुरू कर दी गई है, जो पानी के मेंढक की तरह चुनाव आते ही शहर से गांव की ओर दिखने लग जाते हैं। ऐसे जन-जन के लाडले नेताओं को अब अपने मतदाताओं की याद आने लगी है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान लाडली भांजीयो के मामा और लाडली बहनों के भाई बनकर खुले तौर पर डायरेक्ट एक-एक प्रतिमाह बहनों को खाते में डाल रहे हैं और जोर-शोर से चुनावी बिगुल बजा रहे हैं। ऐसे में भला विपक्ष भी कहां कम नजर आ रहा है विपक्ष भी लोकलुभावन के लिए कर्ज माफी एवं लाडली बहनों को 15 सौ रु के फॉर्म भरे जा रहे हैं। यह तो चुनावी हथकंडे हैं लेकिन चुनाव के पहले जो जनता से सैकड़ों वायदे किए उसका क्या..?

सरकार में बैठे नुमाइंदे और सरपंच से लगाकर सांसद तक के नेताओं ने जो चुनावी वायदे किए थे, क्या वह वादे पूरे हुए हैं या किए हैं फिर तो हमें कहना ही पड़ेगा की वादे तो वादे हैं वादों का क्या और इसी दौर में सांसद गुमान सिंह वर्तमान हुए चुनाव में जितने के बाद क्षेत्र की जनता से सैकड़ों वादे किए थे, जिनमें हर घर नल और नल में जल, हर फलीये में स्कूल ,हर फलीये में लाइट, सड़क और हर-घर शौचालय, पक्का मकान ,तालाब, नर्मदा जल नहर ऐसे सैकड़ों वादे किए। लेकिन इनमें से एक भी वायदा पूरा नहीं हुआ। भाजपा सरकार के रहते इन 5 सालों में इस क्षेत्र में कोई भी ऐसा कार्य सांसद ने नहीं किया कि अब जनता इन्हें दोबारा अपना नेता या अपना हितेषी चुन सकें और इन 5 सालों में ही नहीं 15 माह छोड़कर 15 वर्ष तक भाजपा सरकार रही है और अभी भी है। लेकिन इस क्षेत्र में आज तक कोई ऐसा बड़ा कार्य नहीं किया जिसे जनता याद रखें और भाजपा सरकार की मामा जी की जय कार करें, रही बात कांग्रेस सरकार की तो 70 वर्ष के कार्यकाल में कांग्रेसी सरकार की एक भी उपलब्धि इस क्षेत्र में नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में अब देखना यह है कि, यहां की जनता क्या फैसला लेती है।

इस क्षेत्र में भाजपा-कांग्रेस को छोड़कर जयस और कई अलग-अलग दल अब युवा टीम के माध्यम से सक्रिय हो रहे हैं लेकिन इनका जनाधार दिखता नजर नहीं आ रहा है। वर्षों से इस क्षेत्र में काकनवानी एवं आसपास में लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है 40 रू ड्रम पानी भरवाना पड़ता है। इस जल संकट को कोई भी सरकार हल नहीं कर पाई और यही मुख्य मुद्दा काकनवानी मैं नल-जल प्रदाय को लेकर हर बार झूठे वादे नेताओं द्वारा किए जाते है। भाजपा के इस कार्यकाल में सांसद द्वारा मुख्य रूप से जोर देकर 2 वर्षों में हर घर नल और नल में जल उपलब्ध करवाने का वादा किया था और उस वादे के अंतर्गत 19 फरवरी 2021 को नल-जल के लिए भूमि पूजन किया गया था। उसी रोज सांसद ने ग्रामवासियों से भेंट की थी, जिसके बाद आज तक कोई भी नेता इस क्षेत्र में अपने मतदाताओं की पूछ परख के लिए नहीं आया।

पंच-सरपंच के भी वादे हो रहे हवा हवाई

काकनवानी ग्राम पंचायत करीब 35 वर्षों से कांग्रेस के हाथों में थी और 35 वर्षों बाद पहली बार भाजपा के खाते में और वर्षों से इस गांव की जनता लाइट, सफाई और नल-जल के लिए तड़प रही थी। इस गांव की जनता ने पूर्ण तरह अपना मन बना कर एक तरफा भाजपा को वोट कर ग्राम पंचायत में भाजपा समर्पित सरपंच बिठाया। जिसने लाइट, सफाई और नल-जल के लिए विशेष जोर देते हुए इस पंचायत पर काबिज हुए। भाजपा समर्पित सरपंच अपने वादे अनुसार सफाई एवं लाइट सुचारू रूप से शुरू कर दी गई है लेकिन गांव की जनता जो वर्षों से नल-जल के लिए परेशान हो रही थी वह समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। नल-जल की समस्या को लेकर सरपंच एवं पंचों के साथ मिलकर सैकड़ों बार सांसद एवं संबंधित विभाग से संपर्क किया लेकिन हर बार सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा। नल-जल योजना को लेकर कई बार ग्रामवासियों ने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई जिसके बावजूद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई और ना ही नल-जल उपलब्ध हो पाया। नल-जल योजना भूमि पूजन के पश्चात 2 वर्ष में कार्य पूर्ण करने के बाद ग्राम पंचायत के हैंडोवर करना थी लेकिन उक्त योजना को ठेकेदार ने पलीता लगाते हुए 3 वर्ष पूर्ण कर दिए पर आज तक नल-जल योजना शुरू नहीं हो पाई। जब तक नल-जल योजना को लेकर पूरा कार्य संपूर्ण कर ठेकेदार द्वारा ग्राम पंचायत को सुपुर्द नहीं किया जाए तब तक ग्राम पंचायत पंच, सरपंच जनता से किए गए वादे पूरा नहीं कर सकते।

अब होगा चुनाव का बहिष्कार

हर बार चुनाव आते हैं और हर बार जनता से लोक लुभावन वादे किए जाते हैं। लेकिन किसी भी सरकार में कोई भी वादे पूरे नहीं किए गए और ना ही पूरे किए जाते हैं। जिसको लेकर अब ग्रामवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम वासियों का कहना है कि, अब ना भाजपा, ना कांग्रेस अब होगा चुनाव का सीधा बहिष्कार। जब तक इस क्षेत्र में नल-जल योजना सुचारू रूप से शुरू नहीं हो जाती तब तक किसी भी प्रकार से गांव की जनता सरकार का सहयोग नहीं करेगी।

शराब माफिया को पुलिस का संरक्षण अब पुलिस को ही पड़ रहा भारी

क्या शराब ठेकेदार के गुर्गे भी पुलिस को देते है बंदी के साथ ऐसी ही धमकी की शिकायत के बाद भी नहीं होती कार्यवाही

अवैध रूप से शराब ले जा रही पिकअप ने मारी पुलिस वाहन को टक्कर, एएसआई घायल

माही की गूंज, पेटलावद/रायपुरिया।

जिले में फलफूल रहे अवैध शराब के धंधे को जिस तरह से पुलिस और आबकारी विभाग का संरक्षण मिला हुआ है उसके परिणाम अब सामने आने लगे है।सोमवार रात अवैध शराब से भरे वाहन को पकड़ने के दौरान वाहन की टक्कर से एक एएसआई घायल हो गया ओर एक पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। जिले के रायपुरिया थाने की पुलिस ने एक शराब से भरा वाहन पकड़ा।जिसमें से लगभग 6 लाख रुपये की अवैध शराब जप्त हुई और वाहन का चालक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया । रायपुरिया थाना प्रभारी राजकुमार कंसारिया बताया कि, एक शराब से भरे वाहन को पकड़ने में पुलिस वाहन के साथ में टक्कर भी हुई है और एएसआई फोदलसिंह भदौरिया को चोटें आई है, जिनका अस्पताल में उपचार करवाया गया। शराब का वाहन किसका है और शराब कहा से कहा जा रही है इसकी जांच पुलिस कर रही है।

पिकअप वाहन चालक शातिर तरीके से शराब का परिवहन करता था। वाहन के न तो नम्बर है न ही चेचिस नम्बर और न ही इंजिन नम्बर का नंबर है सभी को मिटाया हुआ है। न ही वाहन की बॉडी पर कही कुछ लिखा है। यह वाहन कल्याणपुरा से रायपुरिया की ओर आ रहा था और पुलिस वाहन को टक्कर मारकर वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। क्षेत्र के लाइसेंसी शराब ठेकेदार लाइसेंसी दुकान से चार पहिया वाहन में अवैध रूप से शराब भरकर ग्रामीण इलाकों में अवैध तरीके सप्लाई करते है । जिसकी जानकारी पुलिस और आबकारी विभाग को भी है लेकिन महीना बंदी ओर शराब ठेकेदारो के गुंडों के डर से पुलिस इनको पकड़ने की हिम्मत नही जुटाती। जिससे अवैध शराब के सप्लाई से जुड़े लोगों के द्वारा अब पुलिस को खुलेआम चुनौती दी जा रही है।

क्या बेच नम्बर से पकड़ा जाएगा शराब सप्लायर और वाहन मालिक

शातिर अवैध शराब के व्यापार में लिप्त लोग बिना नम्बर वाले वाहन के उपयोग के साथदृसाथ वाहन मालिक की पहचान न हो इसके लिए वाहन के इंजन ओर चेचिस नम्बर तक मिटाकर वाहन का उपयोग कर रहे है। पुलिस मौके से किसी को दबोच नही पाई, जिससे शराब की तस्करी में शामिल लोगों की पहचान नही हो पाई है। ऐसे में पुलिस के पास इस मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक मात्र तरीका पकड़ी गई अवैध शराब है जिसके बेंच नम्बर से शराब सप्लाई को पकड़ा जा सकता है। शराब किस की थी और किसको दी गई ये सारी कहानी बेच नम्बर से बहार आ जायेगी। लेकिन पुलिस इस दिशा में काम नही करती। इससे पूर्व में भी कई बार अवैध शराब पकड़ी गई लेकिन पुलिस बहुत ही कम मामलों में मुख्य सरगना तक पहुच पाई है। जिसका मुख्य कारण इस अवैध धंधे के पीछे कोई न कोई शराब से ठेकेदार या सफेद पोश होते है, जिन तक पुलिस के हाथ पहुँचने से पहले ही कट जाते है। रायपुरिया थाना प्रभारी लगातार अपराधीयो पर नकेल कसकर अपने कर्त्तव्यनिष्ठ होने का प्रमाण दे रहे है। ऐसे में ये मामला उनके लिए किसी चुनौती से कम नही ।जिंसमे उनको शराब की तस्करी करने वाले के साथदृसाथ वाहन मालिक और शराब सप्लाई करने वाले तक पहुँचने की चुनौती है। हालांकि ऐसे मामलों में वाहन ओर वाहन मालिक की शिनाख्त होने के बाद वाहन चोरी होना भी पाया जाता है जिससे मुख्य आरोपी तक पहुचने के लिए सिर्फ शराब का बेंच नम्बर ही मुख्य भूमिका निभाता है।

शराब ठेकेदारों का आतंक, बिहारी लोग लगातार करते ठेकेदार के लिए काम

नियमो के अनुसार शराब ठेकेदार को एक दुकान पर दो से तीन कर्मचारियों को रखने के अनुमति है। जिनका बकायदा एक साल अग्रीमेंट ठेके की शर्तों के साथ नोकर नामा पेश किया जाता है । ठेकेदारों द्वारा आबकारी की शर्तों का खुले आम उल्लंघन करते हुए नियम के विरुद्ध कई बिहारी लोगो को रखा जाता है। जिनका पुलिस वेरिफिकेशन तक नही होता ये लोग ठेकेदार के अवैध शराब व्यवसाय को करने और ठेकेदार के क्षेत्र में ठेकेदार के अलावा अवैध शराब लाने वालो पर नजर रखना होता है । ठेकेदार द्वारा इनको चार पहिया वाहन दिया जाता है, जिससे माध्यम से ये पूरे क्षेत्र में घूमते है। सूत्र बताते है इनके पास अवैध हथियार तक होते है इसलिए क्षेत्र में की जा रही अवैध शराब के वाहन को हर कोई नही रोक पाता। पूर्व में रायपुरिया क्षेत्र में एक शराब ठेकेदार के कार्मचारी की हत्या तक हो चुकी है। सारी कार्यवाही पुलिस और आबकारी विभाग के सामने चल रही है लेकिन मासिक बंदी के आगे नतमस्तक पुलिस और आबकारी शराब ठेकेदारों की अवैध शराब की सूचना के बाद भी अवैध शराब नही जिससे शराब के अवैध व्यापर में शामिल धंधेबाज पुलिस पर हमला करने से भी नही चूकते।

सीसीटीवी में कैद हुआ युवक शतिर चोर है या पागल...?

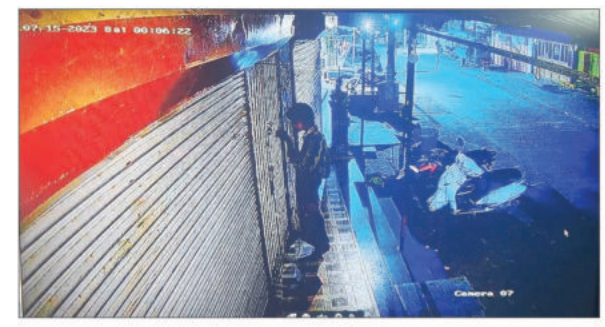

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

गांव में करीब 6 माह से एक 25 वर्ष का युवक घर-घर जाकर रोटी व पैसे मांगता है। जिसे ग्रामवासी पागल भिखारी समझकर तरस खाकर उसे रोटी और पैसा दे देते हैं। वह युवक पैसे लेकर शराब पीता है और रात में बाजार में सुनी दुकानों पर हाथ साफ करता है। जिसकी शिकायत ग्रामवासियों ने पुलिस थाने पर दर्ज करवाई और गेट के ताले तोड़ते हुए उसकी वीडियो फुटेज भी पुलिस को दिखाई। लेकिन थाना प्रभारी का कहना है कि, यह पागल अवस्था में लग रहा है और पास के इटावा गांव में इसका परिवार रहता है। उस गांव के सरपंच और उसके परिवार जनों को सूचना दे दी है, लेकिन उन्होंने इसे घर से भगा दिया कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं और अब ऐसी स्थिति में पुलिस भी कार्यवाही नहीं कर सकती। इस पागल प्रवृत्ति के लड़के के बारे में स्थानीय डॉक्टर से भी सलाह ली गई ।जिन्होंने इंदौर ले जाकर इसका मेडिकल करवाने की सलाह दी गई है जिसके उपरांत ही पता चल सकेगा कि, यह पागल है या शातिर चोर है।

ग्रामवासी हो रहे परेशान

आए दिन बाजार में रोजाना किसी के गेट का ताला तोड़ना या किसी के गेट से बाहर से कुंडी लगा जाना और किसी की सुनी दुकान पर से गल्ला उठाकर भाग जाना ऐसी घटनाएं रोजाना बारी-बारी से हो रही है जिसको लेकर ग्रामवासी काफी परेशानी है। पुलिस इसे पागल समझ कर पकड़ नहीं रही है, तो घर वालों ने भी इसे शराबी कहकर घर से भगा दिया है। अब आखिर इस युवक का ग्रामवासी करे तो क्या करें। इस बारे में ग्राम पंचायत को भी अवगत करवाया गया लेकिन किसी प्रकार का कोई हल नहीं निकल रहा है। अब ग्रामवासी कब तक इस युवक की करतूत ऐसे ही झेलते रहेंगे ।

अब देखना यह है कि, बार-बार इस प्रकार चोरी की घटना होती रही और ऐसे में किसी ने आक्रोश में आकर इस युवक के साथ मारपीट कर दी या इस युवक ने किसी पर जानलेवा हमला कर दिया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा...?

केमिकल पीड़ित ग्रामवासियों से मिले कलेक्टर, एसपी

माही की गूंज, मेघनगर। झाबुआ जिले के मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल के कारखाने से निकलने वाले दूषित जल जो मेघनगर तहसील के आसपास के क्षेत्र को दूषित तो कर ही रहा है किंतु आसपास के क्षेत्र की फसलों को भी खराब कर रहा है। मेघनगर क्षेत्र में बोरिंग हो, हेडपंप हो यहां पर कुछ दूरी पर स्थित बनास नदी का डैम पर ही क्यों ना हो वहां तक भी है पानी पहुंच रहा है। मेघनगर क्षेत्र में पूर्व में कई लोगों ने इस समस्या को लेकर आवाज उठाई और कई आंदोलन हुए, परंतु इस समस्या का निदान ही नहीं हुआ। अब जिले के कलेक्टर मैडम और एसपी इस समस्या से नगर वासियों को कैसे हल कर पाएंगे। वर्षो से या यु कहे की एक रिवाज़ के चलते पुनः जिले के नये अधिकारी से आसपास के ग्रामीण दूषित केमिकल से भरी बोतले ले कर मिले एवं कैमिकल फैक्टारियों से निकलने वाले अपसिस्ट एवं गैर कानूनी तरीको से निकाल रहे केमिकल युक्त गंदे पानी को लेकर कई किसान वं आसपास के ग्रामवासी मेघनगर ओद्योगिक कार्यालय के बाहर मैडम के इंतजार मे बैठे रहे। मैडम के बाहर आते ही उनसे इस गंभीर विषय मे चर्चा कर शीघ्र इन फैक्ट्रियों को बंद करवाने की मांग की गई। अब देखना है मैडम आगे इसे किस तरह से देखती है। फ़िलहाल मैडम ने प्रारम्परागत सेम्पल के जाँच के आदेश तो दिये हौ चुनावी साल होने से अनुमान लगाया जा सकता है कि ग्रामवासियों की समस्या का कोई ना कोई हल जरूर निकलेगा।

80 वर्षो से भी अधिक समय से चली आ रही शिव महापुराण का हुआ समापन

माही की गूंज , पेटलावद।

नगर के अतिप्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर विगत 8 दिनों से चल रही शिव महापुराण कथा का समापन मंगलवार को धूमधाम से किया गया। इस कथा को पढ़ने का इतिहास काफी पुराना है और 80 वर्ष से भी अधिक समय से शिव महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। शिव महापुराण के समापन के अवसर पर श्रद्धालुओ ने पहुचकर धर्म लाभ लिया। कथा समापन के पश्चात मन्दिर परिसर के राम रोटी केंद्र पर नीलकंठेश्वर मित्र मंडल एवं गौतम ग्रुप द्वारा भंडारे का आयोजन किया। मन्दिर के पुजारी श्री बैरागी ने बताया कि"वे स्वयं 60 वर्षो से अधिक समय से मन्दिर परिसर में शिव महापुराण पाठ होते देख रहे है ओर ये इससे पहले से सतत जारी था। कथा का वाचन पंडित प्रफुल्ल शुक्ला के द्वारा की गया ।

स्वेच्छा से आहार का त्याग ही सिद्धि का मार्ग है: साध्वी निखिल शीलाजी

माही की गूंज, थांदला।

जैन धर्म में तपस्या का बड़ा महत्व है। यह कर्म निर्जरा व मोक्ष मार्ग का हेतु है। वर्षा के समय संत-सतियों के स्थिरता कल्प चातुर्मास को तपस्या के अनुकूल काल माना जाता है, जिसमें अनेक भव्य आत्मा तपस्या कर आध्यात्मिकता का आनंद लेते है। ऐसे में थांदला नगर में बुद्धपुत्र पूज्य प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा- 4 के पावन सानिध्य में तप का ठाठ लगा हुआ है। अपने दुसरें मासक्षमण के लक्ष्य को लेकर जहाँ सपना प्रदीप व्होरा ने 17 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। वही श्रीमार परिवार में नन्ही परी अवधि राकेश श्रीमार ने 16 उपवास की दीर्घ तपस्या पूर्ण की। श्रीमार परिवार में आशा देवी का 12वा वर्षीतप चल रहा है। वही सुरजमलजी श्रीमार व बाबूलाल श्रीमार दोनों भाई ने भी अपनी पोती का साथ देकर 10 उपवास की तपस्या पूर्ण की। मंजुला श्रीमार निरंतर एकासन तप की आराधना चल रही है, वही परिवार की बेटी प्रीति धोका भी मेघनगर अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी म.सा. के सानिध्य में मासक्षमण की दीर्घ आराधना कर रही है। श्रीमार परिवार में ही मनोरमा बहन व कमल भाई पचोला, सुरभि बहन चोला, अंतिम बहन, साक्षी बहन, माधुरी बहन व सीमा बहन नवकार तप की आराधना कर रही है। इस अवसर पर उनके निवास स्थान से गुरुभगवंतों के जयकारें व जय जयकार-तपस्वी की जय जयकार, जय हो तप की तपस्वी की जय हो जैसे नारों के साथ सभी तपस्वियों की जयकार यात्रा निकाली गई। जो नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई स्थानीय पौषध भवन पर गुणानुवाद सभा में परिवर्तित हो गई, जहाँ विराजित साध्वी निखिलशीलाजी म.सा. ने अवधि सहित समस्त तपस्वियों के तप के लिए मंगल कामना व्यक्त करते हुए कहा कि, इस जीव ने परवशता में अनेक भव में आहार को छोड़ा है लेकिन अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखकर एक दिन भी आहार छोड़ना कठिन होता है ऐसे में सभी अनुकूल भोग सुविधाओं को त्याग कर स्वेच्छा से आहार छोड़नें से सिद्धि को प्राप्त होता है। इस अवसर पर पूज्या श्री प्रियशीलाजी म.सा. ने भगवान महावीरस्वामी का उदाहरण देते हुए कहा कि, भगवान जानते थे वे तीर्थंकर है मोक्ष जाने वालें है फिर भी उन्होंनें साढ़े बारह वर्षों तक दीर्घ तप की आराधना की और भव्य जीवों को मोक्ष मार्ग के लिए सम्यक तप का मार्ग बताया। पूज्याश्री ने कहा कि, अनेक भवों के संचित कर्मों का समूल नाश करने के लिए तप ही महत्वपूर्ण साधन है। सम्यक तप की आराधना से जीव शीघ्र मोक्ष को प्राप्त हो जाता है। पूज्याश्री उपन्यास की तरह सारगर्भित सरल शब्दावली में सामायिक के महत्व पर चिंतन प्रस्तुत करते हुए सामयिक के दोषों को बताते हुए निर्दोष सामयिक करने की प्रेरणा दे रही है। यहाँ विराजित तपस्वी पूज्याश्री दीप्तिजी म.सा. के भी 7 उपवास की तपस्या गतिमान है।

बाबा का किया आकर्षक श्रृंगाार

माही की गूंज, थांदला। सावन के द्वितीय सोमवार एवम हरियाली अमावस्या के संयोग के अवसर पर नगर के समस्त शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया गया साथ ही सभी शिवालयों में प्राकृतिक हरियाली को प्रदर्शित कर शिव श्रृंगार किया गया। श्रावन के द्वितीय सोमवार पर अल सुबह से देर शाम तक शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। प्रातः जलाभिषेक करने हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे साथ ही सायं के समय भी दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में पहुंचे। नगर के तेजाजी मंदिर ,घोड़ाकुंड महादेव मंदिर, रामेश्वर महादेव मंदिर, विवेकानंद कॉलोनी स्थित त्रंबकेश्वर महादेव मंदिर सहित नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का हरी पत्तियों और पौधो का उपयोग कर शिवालय सजाए गए। आकर्षक श्रंगार किया गया साथ ही संध्या के समय महाआरती का भी आयोजन किया गया।

धर्म को करीब से जानेगें तो श्रद्धा बढ़ेगी- संयत मुनीजी

माही की गूंज, मेघनगर।

जिस व्यक्ति से परिचय अच्छा हो उस पर विश्वास बढ़ता चला जाता है। उसी प्रकार हम अगर धर्म को समझेंगे तो हमारी धर्म के प्रति श्रद्धा ओर बढ़ेगी धर्म को जानने के लिये नो तत्वों का ज्ञान एवं परमार्थ का ज्ञान समझना जरूरी है । मनुष्य भव अति दुर्लभ है, देवता 33 हजार साल मे एक बार आहार लेते है, परन्तु वो तप नहीं कर पाते कर्म निर्जरा के लिये इच्छापूर्वक प्रत्याख्यान ही तपस्या कहलाता है। उपरोक्त जिनवाणी फरमाते हुए पूज्य संयत मुनीजी म.सा. ने युवा तपस्वी कविद्र धोका के 32 उपवास की बड़ी तपस्या पूर्ण होने पर उन्हे तप के अनुभवी की उपमा दी। जिस प्रकार जहाँ न पहुचे रवि वहां पहुंच जाते है कवि ओर जहाँ ना पहुचे कवि वहां पहुंच जाते है अनुभवी जैसे उद्बोधन के साथ कविंद्र के मासछमन का अनुमोदन श्री संघ द्वारा शाल, माला ओर से संघ की भेंट देकर किया। आपका बहुमान श्रीमती प्रीती धोका ने 21 उपवास ओर श्री सुदर्शन मेहता ने 9 उपवास से कविन्द्र का बहुमान किया साथ ही अभिनंदन पत्र का वांचन विनोद बाफना ने किया। अभिनंदन पत्र यशवंत बाफना, पंकज वागरेचा, प्रकाश भंडारी, विनोद बाफना ने दिया। दीपेश लुनिया के 18 उपवास का बहुमान श्री संघ द्वारा शाल ओर संघ की भेंट देकर किया।

सुनीलजी श्रीमार लिमडी ने 8 उपवास की बोली लेकर आपका बहुमान किया। श्रीमती मंजू बहन भंडारी के 17 उपवास का बहुमान श्री संघ द्वारा किया गया। श्री यशवंत बाफना, श्रीमती चंदनबाला वरमेचा दोनो के 8 उपवास की तपश्या पूर्ण होने पर श्री संघ द्वारा शाल ओर माला ओर संघ की भेंट देकर स्वागत किया।

बनी से दलपुरा छापरी रोड अधूरी, पुलिया चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

माही की गूंज, बनी।

बनी से दलपुरा छापरी रोड की दूरी 5 किलोमीटर है। जिसमें कई जगह पुलिया का निर्माण भी ठेकेदार को करना है मगर आरएस कंस्ट्रक्शन कंपनी भोपाल के द्वारा आज तक पुलिया निर्माण कार्य अधूरा होने के साथ घटिया सामग्री और 4, 6, एमएम के सरिया से पुलिया का निर्माण किया जाकर खुलेआम ठेकेदार द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा जिस रोड का निर्माण किया जा रहा है उस रोड से करीब 5 गांव के लोगों का आना जाना रहता है और सभी लोग कृषक वर्ग के होने की वजह से अधूरे पुलिया निर्माण की वजह से सभी को बरसात के समय काफी मशक्कत करना पड़ती है। सभी गांव किसान वर्ग के होने के चलते टमाटर, मिर्च, खीरा, तरबूज की फसल का उत्पादन करते हैं जिनकी फसल छोटे से बड़े वाहनों के माध्यम से देश के कोने-कोने तक पहुंचाई जाती है। मगर ठेकेदार द्वारा पुलिया निर्माण में घटिया सामान का उपयोग कर पुलिया को कमजोर बनाया जा रहा है। जिस वजह से पुलिया साल 2 साल में क्षतिग्रस्त हो जाएगी और किसानों को अपनी फसल देश के कोने-कोने तक पहुंचाने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

ठेकेदार के द्वारा भ्रष्टाचार की कहानी मैं आगे कदम बढ़ाते हुए पपावती नहर पर पुलिया निर्माण करना था मगर उस जगह पपावती विभाग के द्वारा डाले गए पाइप के ऊपर ही रोड निर्माण करके इतिश्री करली। जबकि उस जगह पर घुमावदार मोड़ होने की वजह से वाहनों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इन सभी समस्याओं के बारे मे संबंधित विभाग के एई चौहान को अवगत कराया। तब उनके द्वारा बताया गया कि, पुलिया निर्माण में 8एमएम और ऊपर छत में 16 एमएम के सरिया डाले जाना चाहिए और ठेकेदार द्वारा किसी प्रकार की गड़बड़ी की जाती है तो मैं उसको देखकर ठीक करवाता हूं और अभी हमने ठेकेदार का पेमेंट नहीं किया है संपूर्ण और सही काम होने पर ही पेमेंट जारी किया जाएगा।

संपादकीय

मंगलकारी बम

गंगा-जमुना का मायका उत्तराखंड आजादी के बाद से ही सामाजिक आंदोलनों के जरिये रचनात्मक बदलाव के लिये जाना जाता है। इसी धरती से ही गौरा देवी द्वारा शुरू किया गया चिपको आंदोलन आज भी पूरी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक माना जाता है, जिसमें महिलाओं ने पेड़ों से जुड़कर पेड़ों के कटान को रोका था। इसी तरह बेटी के कन्यादान के समय वृक्ष लगाने का मैती आंदोलन भी खासा चर्चा में रहा। इतना ही नहीं, उत्तराखंड की अस्मिता को लेकर चलाये गये आंदोलन में मसूरी, खटीमा व रामपुर तिराहा कांड में महिला आंदोलनकारियों की शहादत इतिहास के पन्नों में दर्ज है। उत्तराखंड के बारे में कहावत है कि 'पहाड़ की जवानी व पानी पहाड़ के काम नहीं आते।' उत्तराखंड की आबादी के बराबर आबादी का प्रवासित होना इसकी बानगी दर्शाता है। हजारों गांव आज खाली हो गये हैं, जिनमें अब जंगली जानवरों का वर्चस्व है। जो उत्तराखंड की खेती व फल उत्पादन के लिये नासूर बन चुके हैं। खासकर बंदरों , जंगली सूअरों व तेंदुओं की बढ़ती अप्रत्याशित आबादी से ग्रामीण जन-जीवन बुरी तरह त्रस्त है। वे फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस संकट के समाधान और वन्य जीवों को जंगल तक सीमित करने के मकसद से नया रचनात्मक आंदोलन उभरा है 'बीज बम' अभियान। जिसका मकसद है कि जंगलों में उत्तराखंड में उगने वाली सब्जियों व फलों को कुदरत के सान्निध्य में उगाया जाये ताकि जंगली जानवर, बंदर व अन्य जीवों को खाने के लिये जंगल के भीतर ही सब्जी-फल मिल सकें। जिससे वे मानव बस्तियों में उत्पात मचाने न आ सकें। खासकर उत्तराखंड में बंदरों के उत्पात से लोगों को राहत मिल सके। दरअसल, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में द्वारिका प्रसाद सेमवाल द्वारा कुछ साथियों व छात्रों की मदद से शुरू किये गये 'बीज बम' अभियान को जनता का आशातीत प्रतिसाद मिल रहा है। यह अभियान उत्तराखंड की साढ़े तीन सौ ग्राम पंचायतों व करीब ढाई सौ स्वैच्छिक सामाजिक संगठनों के सहयोग से सिरे चढ़ रहा है। जो इस आंदोलन की सार्थकता और स्वीकार्यता का पर्याय ही है।

यह सुखद ही है कि 'बीज बम' आंदोलन केवल उत्तराखंड में ही जंगल में मंगल नहीं कर रहा है बल्कि देश के 18 राज्यों व चार दूसरे देशों में भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है। इस आंदोलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि जुलाई माह में चलने वाले एक सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान दो लाख से अधिक बीज बम जंगलों में डाले गये हैं। इन बीज बमों में स्थानीय सब्जियों-फलों के बीज शामिल हैं। कद्दू, तोरी, मक्का व शहतूत आदि के बीजों को उगाने के मकसद से बिखेरा गया है। इस आंदोलन का एक आधार स्तंभ हिमालयन पर्यावरण जड़ी बूटी एग्रो संस्थान यानी जाड़ी है, जो अभियान को बीज उपलब्ध कराने में सहायक है। इस आंदोलन की सफलता का पता इस बात से चलता है कि इस बार बीज बम सप्ताह के दौरान नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका व दक्षिण अफ्रीका के कुछ संगठनों ने भागीदारी की। इतना ही नहीं, अब आंदोलन साल में एक बार मनाये जाने वाले बीज बम सप्ताह की सीमाओं से निकलकर वर्षपर्यंत चलने वाला कार्यक्रम बन चुका है। विभिन्न संगठनों, विभागों तथा शिक्षण संस्थानों के लोग वर्षपर्यंत अपनी सुविधा से बीज बम तैयार करके जंगलों में डाल रहे हैं। इस अभियान को जनता का सकारात्मक प्रतिसाद तो मिला ही है, सरकार भी इस पर्यावरण संरक्षण आंदोलन को लेकर सकारात्मक रुख दिखा रही है। राज्य के शिक्षा मंत्री ने घोषणा की है कि इस रचनात्मक बीज बम आंदोलन को शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण और वन संपदा की रक्षा के लिये सरकारी कार्यक्रमों के बजाय जनांदोलन महत्वपूर्ण व ठोस भूमिका निभाते हैं। ऐसे स्वत:स्फूर्त आंदोलन देश के विभिन्न हिस्सों में बदलावकारी साबित हुए हैं। सरकार व विभिन्न पर्यावरण संगठनों का दायित्व है कि ऐसे रचनात्मक आंदोलन का वित्तीय पोषण करें ताकि स्वयंसेवी संगठनों का उत्साह बना रहे। ग्लोबल वार्मिंग संकट के इस दौर में पर्यावरण संरक्षण के जनांदोलन को प्रोत्साहित करना वक्त की जरूरत भी है।

दोषपूर्ण विकास नीतियों से उपजी तबाही

बस यह कुछ ही दिनों की बात है, शीघ्र हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में भारी बारिश से मची तबाही के बाद राहत और पुनर्वास कार्य होगा। वहीं पंजाब, हरियाणा व दिल्ली बाढ़ से उबर जायेंगे तो उसके बाद सब कुछ पूर्ववत? चलने लग जायेगा।

जब मैं 'सब कुछ पहले जैसा' कहता हूं तो मेरा आशय यह नहीं है कि जीवन फिर से सामान्य हो जायेगा। बेशक ऐसा तो होगा ही, लेकिन इससे भी अहम यह है कि हम उन सबकों को भूल गए होंगे जो क्रोधित प्रकृति ने केवल चार दिनों तक पहाड़ों पर लगातार मूसलाधार बारिश के माध्यम से देने की कोशिश की थी। जबकि 60,000 फंसे हुए पर्यटकों को निकाला गया है, फौरी तौर पर करीब 4,000 करोड़ रुपये के नुकसान का अंदाजा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारी वर्षा से अनगिनत भूस्खलन हुए और सड़कों को नुकसान पहुंचा जिससे करीब 1321 मार्ग अवरुद्ध हो गये, 750 जल परियोजनाएं प्रभावित हुईं और करीब 4500 ट्रांसफॉर्मर बेकार हो गये। उफनती नदियों का रौद्ररूप ऐसा था कि रास्तों पर साइड में खड़ी अनगिनत कारों व अन्य वाहनों के अलावा कई पुल भी बह गये। कई जगहों पर तो पहाड़ों पर जमा कचरा भी नीचे की तरफ बहता देखा गया। निश्चित तौर पर दृश्य विचलित कर देने वाला था।

संक्षेप में, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और पंजाब, हरियाणा के निचले इलाकों में बसे शहरों, कस्बों और खेतों में बड़े पैमाने पर बाढ़ से निश्चित तौर पर बड़ी तबाही का मंजर है। चार दिन की भारी बारिश में कई शहर व कस्बे पानी के लबालब भरे तालाब जैसे नजर आये। जिनमें कारें डूबी हुई थीं या फिर तैर रही थीं। हम जानते हैं कि यमुना का जलस्तर अब तक का सर्वाधिक था और इसके किनारे पर दिल्ली के निचले इलाकों में बसे लोग हैं। इसके साथ ही पंजाब में कई जगह सेना बुलानी पड़ी। सही-सही नुकसान का अंदाजा पानी उतरने के बाद ही लग सकेगा। पहले ही, 10000 से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जा चुके हैं।

जब मुझसे पूछा गया कि बाढ़ के पीछे क्या कारण लगता है, तो मैंने एक टीवी चैनल से कहा- 'यह शायद प्रकृति का अपनी नाराजगी व्यक्त करने का तरीका था।' 'मैंने ऐसा क्यों सोचा' के पूरक प्रश्न पर मेरी प्रतिक्रिया थी कि पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश में कंक्रीटीकरण के चलते अंधाधुंध विकास हुआ है, जिससे सभी पारिस्थितिक सुरक्षा उपाय ताक पर रखे गये हैं। तेजी से जंगलों के कटान और 4-लेन या 6-लेन राजमार्गों के निर्माण के लिए पहाड़ों में लापरवाही भरे विस्फोटों से, नाजुक पहाड़ियां जर्जर हो गई हैं। हालांकि यह ज्ञात है कि राज्य के सभी 77 ब्लॉक कमजोर और भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील हैं, इसके बावजूद राजमार्गों का निर्माण करते समय सभी तकनीकी मानदंडों को ताक पर रख दिया जाता है। इसके अलावा, 2019 तक, हिमाचल प्रदेश में 153 पनबिजली परियोजनाएं थीं, जिसके परिणामस्वरूप पानी का प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध होता है और कभी-कभी आने वाली बाढ़ के कारण पानी का मार्ग बदलता है, जिसके चलते और अधिक नुकसान हुआ।

दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में जब विकास से जुड़े मुद्दे हावी होकर गूंज रहे हैं, तो पेड़ों के महत्व की बात दबकर रह गयी है। जिस तरह से राजमार्ग निर्माण के लिए पेड़ों को बेरहमी से काटा जाता है, उसकी भी बहुत भारी कीमत चुकानी होती है, लेकिन इसकी कम ही चर्चा की जाती है। जब फ्रेड पियर्स, (पूर्व साइंटिस्ट) ने येल एनवायरनमेंट 360 में एक निबंध में लिखा था कि 'जंगल का प्रत्येक पेड़ एक फव्वारा है, जो अपनी जड़ों के जरिये जमीन से पानी खींचता है और अपने पत्तों में छिद्रों के माध्यम से जल वाष्प वायुमंडल में छोड़ता है।'- मूल रूप से यह नीति निर्माताओं के लिए सबक होना चाहिए था। जबकि पेड़ों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं, ऐसे में पेड़ों की तेजी से हो रही कमी के कारण पहाड़ियां भूस्खलन के प्रति संवेदनशील होती जा रही हैं। राजमार्गों के विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना बस एक संख्या मात्र बन गई है। भारत में 2021-22 में 43.9 हजार हेक्टेयर प्राथमिक वन गायब हो गये।

लोगों ने यह भी नहीं समझा कि वृक्षों में तापमान को ठंडा रखने की खास क्षमता है, कि एक वृक्ष का वातावरण को शीतल करने का प्रभाव दो एयर कंडीशनरों के समान है। इसलिए जब तापमान बढ़ जाता है तो उन्हीं लोगों को बढ़ी गर्मी से ज्यादा शिकायत होती है जिन्हें विकास के नाम पर वृक्षों के कटान से कोई परहेज नहीं है।

जलवायु परिवर्तन को दोष देना आसान है। हालांकि मैं वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रचंड घटना को बाद में जलवायु परिवर्तन से जोड़ने की किसी भी संभावना से इन्कार नहीं कर रहा हूं, लेकिन हमने जो विनाश देखा है वह दोषपूर्ण विकास नीतियों का परिणाम है जिन्हें जानबूझकर आर्थिक उन्नति के नाम पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसमें मानवीय लालच और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को जोड़ दें और आपके पास यह जानने के सभी कारण मौजूद होंगे कि पहाड़ियां क्यों तबाह हुईं। कुछ लोग इसे मानवजनित कहते हैं लेकिन यह भी उन असल वजहों को धुंधला कर देता है जिनके कारण पर्यावरण को गहरा झटका लगा। थोड़ा अलग तरह से कहें तो, यह अपनी ओर आने वाली शक की सूई से बचने के लिए दोष मढ़ने का एक सरल तरीका है। वास्तव में, हमारे सामने आने वाली प्रत्येक मौसम संबंधी विसंगति का दोष जलवायु परिवर्तन को देना बहुत आसान हो गया है।

फिर भी, भारी बारिश से हुई बड़ी तबाही के कारणों की बात की जाये तो जिस ढंग से मकानों, सड़कों व इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का निर्माण किया गया उसके परिणामस्वरूप नदियों का प्राकृतिक प्रवाह और जलस्रोत नष्ट हो गये। जहां किसी जमाने में नदियों के पाट थे वहां बहुमंजिला अपार्टमेंट्स बना दिये गये। आज भी मैं ऐसे लोगों को देखता हूं, जो रिहायशी कॉलोनियां बसाने के लिए राज्य सरकारों पर पर्यावरण मानकों को त्यागने का दबाव डालने के लिए जिम्मेदार थे, वे भी बड़ी आसानी से दोष जलवायु पर मढ़ देते हैं। हम अपने चारों ओर जो तबाही देख रहे हैं उसके लाने में अपनी ही भूमिका को बिसरा देते हैं।

देविंदर शर्मा

अपने दोष दूसरों पर डाल देना आसान सा दस्तूर बन गया है। मिसाल के तौर पर, चंडीगढ़ के निकट उभरते खरड़ कस्बे को ही लीजिये, जिसमें जलस्रोतों व प्राकृतिक नालों के निकास रास्तों को बाधित कर दिया गया है, जिसके चलते बरसातों के दौरान खरड़ एक विस्तृत झील जैसा बन जाता है। मसलन, मिलेनियम सिटी गुड़गांव में 153 जलस्रोतों को अब दोबारा अस्तित्व में नहीं लाया जा सकता है। रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स ने बाढ़ के पानी के निकास के रास्ते को पाट दिया है। जबकि शहर का विस्तार योजना के वक्त निकासी व्यवस्था को कम प्राथमिकता दी जाती है, साथ ही पर्यटकों की बेतहाशा भीड़ का आना भी अपने दुष्प्रभाव छोड़ जाता है। ज्यादातर सीवरेज निकास प्रणाली प्लास्टिक से अवरुद्ध रहती है जिससे गलियां और रिहायशी क्षेत्र के मकान अक्सर डूब जाते हैं।

मुझे संदेह है कि इस सबसे कोई सबक लिया गया हो। परखने के लिए शिमला के विवादास्पद डेवलपमेंट प्लान को लीजिये। क्या कुछ दिनों पूर्व ही हुई निरंतर बारिश द्वारा बरपाये कहर से राज्य सरकार कोई सबक लेगी या फिर पुनर्नवीकृत विनिर्माण गतिविधियों को जारी रखेगी जिसके शहर की 17 हरित पट्टियों को निगलने का अनुमान है? इसी तरह, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जिसने, बिना किसी संशोधन के विवादास्पद वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक को इस भारी बारिश की शुरुआत वाले दिन ही पारित कर दिया, क्या पुनर्विचार के लिए इसके मसौदे को वापस मंगवायेगी? आपका अंदाजा भी उतना ही बेहतर होगा, जैसा कि मेरा है। विकास का आख्यान लोगों, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के मुकाबले प्रमुखता प्राप्त कर लेगा। मैं यह पहले भी कह चुका हूं, सब कुछ पहले की ही तरह चलता रहेगा।

खाद्य श्रृंखला के लिए घातक हो सकता है फंगस

दुनिया की आबादी को उच्च कैलोरी प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण फसलें इस समय फंगस के आक्रमण को झेल रही हैं। बढ़ते हुए फंगस संक्रमण के कारण आलू से अनाज और केले तक हमारी कुछ महत्वपूर्ण फसलें संकट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि इसका हमारी खाद्य आपूर्ति पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। हम वायरस और बैक्टीरिया जैसे रोगाणुओं के बारे में अधिक चिंता करते हैं जो मनुष्यों को बीमार करते हैं। लेकिन फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कॉर्न स्मट और स्टेम रस्ट जैसे फंगस रोग हमें कोरोना, इबोला वायरस या ई. कोलाई बैक्टीरिया की तरह नहीं डराते। वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें इनके खतरे को कम करके नहीं आंकना चाहिए। इस तरह के फंगस पहले से ही खेतों पर कहर बरपा रहे हैं।

विश्व स्तर पर कृषि उत्पादकों को हर साल फंगस के संक्रमण से अपनी फसलों का 23 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इसके अलावा फसल की कटाई के बाद 10 से 20 प्रतिशत फसलें फंगस से नष्ट हो जाती हैं। भारत में भी फंगस रोगों से बहुत फसल बर्बाद होती है। विभिन्न देशों में दर्ज 30,000 पौधों की बीमारियों में से लगभग 5000 भारत में होती हैं। ऐसा माना जाता है कि भारत में फसल की पैदावार में फंगस संक्रमण से संबंधित गिरावट लगभग 50 लाख टन प्रति वर्ष है। दुनिया की पांच सबसे महत्वपूर्ण फसलें- चावल, गेहूं, मक्का, सोयाबीन और आलू राइस ब्लास्ट फंगस, वीट स्टेम रस्ट, कॉर्न स्मट, सोयाबीन रस्ट और पोटेटो लेट ब्लाइट जैसे फंगस रोगों की चपेट में हैं। ये सभी रोग ओमाइसीट नामक पानी के फफूंद के कारण होते हैं।

खाद्य एवं कृषि संगठन ने फंगस से होने वाले सैकड़ों रोगों की पहचान की है जो मनुष्य को पोषण प्रदान करने वाली 168 महत्वपूर्ण फसलों को प्रभावित करते हैं। रिसर्चरों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण फंगस रोगों का विनाशकारी प्रभाव और भी बदतर हो जाएगा। बढ़ते तापमान के कारण फंगस संक्रमण तेजी से ध्रुवों की ओर बढ़ रहा है। संक्रमण के बढ़ने की रफ्तार प्रति वर्ष लगभग सात किलोमीटर है। एक उदाहरण का हवाला देते हुए रिसर्चरों ने बताया कि वीट स्टेम रस्ट संक्रमण जो आमतौर पर उष्णकटिबंधीय देशों में होता है, अब इंग्लैंड और आयरलैंड में भी पाया गया है। उन्होंने कहा कि फंगस मुख्य रूप से एक रोगजनक है। यह भारी मात्रा में बीजाणु पैदा करता है जो मिट्टी में 40 वर्षों तक सक्रिय रह सकते हैं।

उच्च तापमान फंगस के नए रोगजनक वेरिएंट के विकास को प्रोत्साहित करता है। तूफान या चक्रवात जैसी चरम मौसमीय परिस्थितियां बीजाणुओं को व्यापक भौगोलिक सीमाओं में फैला सकती हैं। उदाहरण के तौर पर वीट स्टेम रस्ट हवा में तैरने वाले बीजाणु पैदा करता है जो दूर-दूर के महाद्वीपों की यात्रा कर सकते हैं।

दुनिया में फंगस द्वारा इस समय नष्ट किया जा रहा खाद्यान्न 60 करोड़ से लेकर 4 अरब लोगों को एक वर्ष तक हर दिन 2,000 कैलोरी प्रदान कर सकता था। इंग्लैंड के एक्सेटर विश्वविद्यालय की वनस्पति रोगविज्ञानी सारा गर ने कहा कि बड़े-बड़े खेतों पर फंगस का खतरा मंडराने से स्थिति निरंतर खराब हो रही है। दुनिया में फंगस संक्रमण के तेजी से प्रसार के कारण हम आने वाले समय में एक बड़ा वैश्विक स्वास्थ्य संकट देख सकते हैं क्योंकि तेजी से गर्म हो रही दुनिया में फंगस प्रजातियां अधिक प्रतिरोधी होती जा रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार फंगस का संक्रमण न सिर्फ विकासशील देशों के लिए विनाशकारी होगा बल्कि पश्चिमी दुनिया पर भी इसका बड़ा असर पड़ेगा। किसान सदियों से फंगस से लड़ रहे हैं लेकिन आज यह लड़ाई ज्यादा कठिन हो गई है। जलवायु परिवर्तन इसका एक बड़ा कारण है क्योंकि अतिरिक्त गर्मी फंगस की कुछ किस्मों को अपने दायरे का विस्तार करने में मदद कर रही है। इन किस्मों में प्रमुख खाद्य फसलों को खतरा पैदा करने वाली प्रजातियां भी शामिल हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मनुष्य इस संकट को अन्य तरीकों से भी आमंत्रित कर रहा है। आनुवंशिक रूप से समान फसलों के विशाल मोनोकल्चर की स्थापना इसका एक उदाहरण है। मोनोकल्चर से अभिप्राय एक खेत में एक ही फसल उगाने से है। इस तरह की एकल फसलें फंगस के प्रकोप को झेलने में कमजोर पड़ती हैं।

मुकुल व्यास

हाल की पीढ़ियों के फंगीसाइड (फफूंदनाशी) ने उत्पादकों को फसलों के संक्रमणों को दूर करने में मदद जरूर की है लेकिन अभी भी फंगस प्रजातियों के सबसे मजबूत निवारक उपायों को भी निष्प्रभावी करने के तरीके खोज रही हैं। कई फंगीसाइड केवल एक कोशिकीय प्रक्रिया को लक्षित करके काम करते हैं जिससे फंगस को प्रतिरोध विकसित करने के लिए जगह मिल जाती है। नए प्रतिरोधी फंगस पर फंगीसाइड कम प्रभाव डालते हैं, जिसकी वजह से परेशान किसान कभी-कभी उसी फंगीसाइड की उच्च मात्रा का उपयोग करते हैं। फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है।

इस समय 8 अरब से अधिक मनुष्य पृथ्वी पर रहते हैं। जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के कारण इनमें से कई पहले से खाद्य सुरक्षा की कमी का सामना कर रहे हैं। जैसे-जैसे दुनिया की आबादी बढ़ेगी, मानव जाति के समक्ष खाद्य उत्पादन बढ़ाने की चुनौती भी बढ़ेगी। जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार उत्सर्जनों पर अंकुश लगाना एक मुश्किल लक्ष्य है। इसके बावजूद स्थिति को बदतर होने से रोकने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

एक्सेटर विश्वविद्यालय के रिसर्चरों ने नई तकनीकें विकसित की हैं जिनसे फंगस के बहुकोशिकीय तंत्रों को लक्षित करने वाले फंगीसाइड बनाए जा सकते हैं। इससे फंगस के लिए प्रतिरोध विकसित करना कठिन हो जाएगा। रिसर्च से पता चलता है कि इस प्रकार के फंगीसाइड कई प्रमुख रोगाणुओं के खिलाफ काम कर सकते हैं। इनमें कॉर्न स्मट, राइस ब्लास्ट और केले में फ्यूजेरियम विल्ट के लिए जिम्मेदार फंगस शामिल हैं।

रिसर्चरों का कहना है कि बेहतर फंगीसाइड के बिना भी हम फंगस के प्रकोप के जोखिम को कम कर सकते हैं। ऐसा बेहतर कृषि पद्धतियों को अपना कर किया जा सकता है। डेनमार्क में इस तरह की एक परियोजना सफल रही है। डेनिश कृषि वैज्ञानिक आनुवंशिक रूप से विविध बीजों के मिश्रण के प्रयोग से फंगस के संक्रमण रोकने में कामयाब रहे हैं।

वैश्विक बाजारी शक्तियां सनातन भारतीय संस्कृति को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है

सनातन भारतीय संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोरज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

आज यदि भारत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन जाता है, जिसके लिए लगातार प्रयास भारत में किए जा रहे हैं, तो इसका सबसे अधिक बुरा असर इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर होने वाला है। क्योंकि, इससे इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग भारत में कम हो जाएगी और आज केवल भारत ही पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। यदि भारत में इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के उत्पादों की मांग कम हो जाती है तो ये कम्पनियां अपने उत्पादों को बेचेंगी कहां एवं कैसे अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करेंगी। इसलिए इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत की महान संस्कृति पर अपने हमलों के तेज कर दिया है।

विकसित देशों में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है। शादी शुदा जोड़ों के बीच तलाक की दर लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे छोटे छोटे बच्चे केवल अपने माता अथवा पिता के साथ रहने को मजबूर है। यदि माता अथवा पिता में से कोई एक पुनः विवाह कर लेता है तो उस बच्चे को सौतेले पिता अथवा सौतेली माता के साथ रहना होता है, जहां उसकी पर्याप्त देखभाल नहीं हो पाती है तथा उस बच्चे का मानसिक विकास ठीक तरीके से नहीं हो पाता है। ये बच्चे अक्सर मानसिक तनाव के दौर से गुजरते हैं और इसका पूरा असर इन बच्चों की पढ़ाई पर भी पढ़ता है। आज अमेरिका में अमेरिकी मूल के नागरिकों के बच्चे विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों में बहुत कम रुचि ले रहे हैं, इससे वहां के मूल नागरिकों के बच्चे न तो डॉक्टर बन पा रहे हैं और न ही इंजिनीयर। डॉक्टर एवं इंजिनीयर के साथ साथ प्रबंधन के क्षेत्र में भी एशियाई मूल के नागरिकों के बच्चे आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी प्रकार, विकसित देशों में विवाह पूर्व बच्चों का गर्भ धारण करना भी आम रिवाज होता जा रहा है तथा बगैर विवाह किये लिव इन रेलेशनशिप में साथ रहना भी आम बात हो गई है। लिव इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए बच्चों को न केवल कई प्रकार की कानूनी समस्याओं का सामना करना होता है बल्कि इन बच्चों की देखभाल भी ठीक तरीके से नहीं हो पाती है। विकसित देशों में बच्चों का सही लालन पालन नहीं होने के चलते इन बच्चों में हिंसा की प्रवृति पैदा हो रही है। इसी कारण से आज अमेरिका में प्रति नागरिक जेलों की संख्या अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, स्वाभाविक रूप से प्रति नागरिक कैदियों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है।

सामाजिक तानाबाना के छिन्न भिन्न होने के चलते आज अमेरिका में सबसे अधिक खर्च सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर करना पड़ रहा है। वृद्ध नागरिक, चूंकि अपने बच्चों से अलग रहते हैं एवं वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है अतः इनकी देखभाल पर सरकार को भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इसी प्रकार जेलों के रख रखाव एवं इनमें निवास कर रहे कैदियों पर भी भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इस प्रकार के खर्च उत्पादकता के श्रेणी में नहीं होने के चलते व्यर्थ खर्च ही माने जाते हैं। इससे कुल मिलाकर विशेष रूप से अमेरिका आज गम्भीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका के इस अवस्था में पहुंचने के पीछे विशेष रूप से वहां का सामाजिक तानाबाना का छिन्न भिन्न होना ही माना जा रहा है।

प्रहलाद सबनानी

इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति में कुटुंब व्यवस्था को ईश्वर प्रदत्त उपहार माना गया है। संयुक्त परिवार में बच्चों के रहने के चलते उनकी बचपन में देखभाल ठीक तरह से होती है एवं भारत के बच्चों के हिंसा की प्रवृत्ति लगभग नहीं के बराबर पाई जाती है। इन बच्चों का मानसिक विकास भी उच्च स्तर का हो जाता है। बुजुर्गों की देखभाल भी संयुक्त परिवार में बहुत अच्छी तरह से हो जाती है एवं सरकारों को किसी विशेष प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। परंतु, पश्चिमी देशों द्वारा सनातन भारतीय संस्कृति पर प्रहार किए जा रहे हैं। इस प्रकार के प्रयासों से भारतीय नागरिकों को आज जागरूक करने की आवश्यकता है। पश्चिमी संस्कृति तो अपने आप में असफल सिद्ध होती दिखाई दे रही है। अब केवल सनातन भारतीय संस्कृति ही विकसित देशों में फैल रही अशांति को दूर करने में सक्षम दिखाई दे रही है। इस प्रकार, सनातन भारतीय संस्कृति को अपनाकर पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

जीवन के साथ जीवन की लापरवाही

लापरवाह सुगनदेवी हॉस्पिटल में डॉक्टर की लापरवाही आई सामने

महिला डॉक्टर न होने के बाद भी बीएचएमएस डॉक्टर देख रहा गायनिक मरीज

माही की गूंज, शुजालपुर।
अजय राज केवट

हाल ही में शुजालपुर के सुगन देवी हॉस्पिटल के डॉक्टर की बड़ी लापरवाही का आरोप सामने आया है। मोटा कमीशन कमाने के चक्कर में आशा कार्यकर्ता मरीज पूजा अहिरवार को प्रेगनेंसी के इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में लेकर आई और मरीज के परिजनों को बोला की सुगनदेव हॉस्पिटल में मैडम अच्छी है। उनके कहने पर मरीज पूजा अहिरवार को प्रेगनेंसी का इलाज एक माह से लेकर पूरे 8 माह तक चल रहा था। इस मामले की खास बात यह है कि, यह कोई गायनिक डॉक्टर नहीं होने के बावजूद भी गर्भवती महिला का इलाज पूरे 8 माह तक चला। हर महीने दवाई के लिए बुलाते लेकिन उनको वहां कोई गायनिक मैडम नहीं मिलती। जब मरीज और मरीज के परिजनों ने पूछा कि, मैडम कहां है हमें अभी एक बार भी नहीं मिली तो डॉक्टर जीवन का कहना रहता है कि, मैडम अभी छुट्टी पर अगले चक्कर आओगे तब मिल जाएगी। कभी 15 दिन के लिए बोलता है तो कभी एक माह की बोलता है। ऐसे करके पूरे मेरे छह-सात महीने निकाल दिए और मेरा इलाज वह खुद कर रहे हैं। वह खुद ही दवाई गोली लिख रहे हैं, अब जितनी खून की जांच सोनो ग्राफी का बोला सब करवाया लेकिन हमे डॉक्टर ने बताया कि, सोनोग्राफी में सब ठीक है।

26 जून 2023 को पूजा अहिरवार को सिविल अस्पताल शुजालपुर सीटी में डिलेवरी हुई, जिसमें एक पुत्री को जन्म दिया था। हॉस्पिटल की नर्स द्वारा बताया कि, बच्ची की एक आंख में कमी है। अब मरीज और मरीज के परिजनों का आरोप है कि, हमारा इलाज पूरे माह सुगन देवी हॉस्पिटल में हुआ था लेकिन हमे हॉस्पिटल के डॉक्टर ने ऐसा कुछ नहीं बताया और हर बार एक ही बात बोला था सब ठीक है। इसको लेकर मरीज के पति मुकेश आहिरवार के द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2023 को थाने पर सुगन देवी हॉस्पिटल में डॉक्टर की लापारवाही को लेकर आवेदन भी दिया गया।

इनका कहना है...

मामले में डॉ. जीवन मेवाडा सुगन देवी हॉस्पिटल संचालक का कहना है कि, उन्हें टारगेट स्कैन के लिए बोला गया था लेकिन उन्होंने पैसे का न होना बताया। यह सब बनाई हुई कहानी है पैसे खींचने की स्कीम है।

वही जब प्रसूता के पति मुकेश अहिरवार से बात की तो उनका कहना है, हमें टारगेट स्कैन का बोला ही नहीं जो उन्होंने बोला वह हमने करवाया। 2 हजार रुपए तक की जांच कराई, लेकिन हमें टारगेट स्कैन का नहीं बोला।

वही स्वास्थ्य अधिकारी राजू निदोरिया का कहना है कि, आपके द्वारा मामला को संज्ञान में लिया गया है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मकान मालिक के घर ही की थी चोरी, पुलिस ने राजस्थान से किया गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर की वाईडी नगर पुलिस ने पांच हजार के एक इनामी बदमाश की गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। थाना वाईडी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 मई 23 को इंद्रा कॉलोनी से बदमाश वकील बंजारा नाम का शख्स एक घर से नगदी चुराकर ले गया।

फरियादी की सूचना पर से थाना वायडी नगर टीआई जितेन्द्र पाठक के नेतृत्व मे तत्काल अलग-अलग टीमों का गठन कर तकनीकी व मुखबिर तंत्र की सहायता लेकर वकील बंजारा को नीमच, कुकडेश्वर, शामगढ़ थाना क्षेत्र के भगुनिया, भोपाल, रायसेन, उज्जैन तथा देवास में तलाश की गई।

इसके साथ ही घटनास्थल के आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन आरोपी का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अनुराग सुजानिया ने आरोपी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया।

इसी दरमियान 18 जुलाई मंगलवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि विडियो फुटेज में दिख रहे हुलिये का व्यक्ति ग्राम मंडला थाना सदर कोतवाली जिला निम्बाहेडा राजस्थान में छुपा हुआ है।

सूचना पर पुलिस ने ग्राम मंडला में दबिश देकर वकील पिता पन्नालाल बंजारा (33) निवासी भगुनिया थाना शामगढ को गिरफ्तार किया। पुलिस आज आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगेगीं इसमें चोरी गए रुपए बरामद किए जाएंगे।

मौर्य काल के पूर्व से ही विरुपाक्ष महादेव मंदिर शिव उपासना का केंद्र रहा है

माही की गूंज, रतलाम।

समय के साथ परंपराओं में बदलाव आ रहा है। पहले यदा-कदा सावन में लोग दर्शन करने आते थे किंतु अब गांव के गांव संपूर्ण मातृ शक्ति, बच्चे क्या बूढ़े, सभी युवा ढोल नगाड़ों के साथ, नंगे पैर, जय भोले की भक्ति के गीत गाते हुए कावड़ लेकर रतलाम जनपद के ग्राम बिलपांक एतिहासिक विरूपाक्ष महादेव मंदिर में भगवान विरुपाक्ष का जलाभिषेक करते हैं। श्रद्धालुओं की संख्या वर्ष प्रतिवर्ष धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। संपूर्ण गांव के युवा, मातृशक्ति सभी निशुल्क चाय कैंटीन, फरियाली स्टॉल की व्यवस्था करते हैं। सावन महीने के सभी सोमवार जिससे जो बन पड़ता है वह गांव आने वाले श्रद्धालुओं के आतिथ्य में कोई कमी नहीं छोड़ता है।

अतीत कालखंड में इस मंदिर की भव्यता और दिव्यता क्या रही होगी इसका जानकारी हमे विरूपाक्षेश्वर प्रशस्ति से ज्ञात होती है। आकाश में चलने वाली सुंदरिया क्रीड़ा करती हुई कभी-कभी यहां आया जाया करती थी (पध 24), स्वर्णमय कलश एवं ध्वज युक्त स्वच्छ कीर्ति से उसकी आकृति कपिश वर्णन की भांति दिखाई पड़ रही थी, मानो गैरिक (कैलाश) भगवान शिव और पार्वती का गैरिक गौरव मंदिर को प्राप्त हो गया है। (पध 25) महान पुरातत्व वेता डॉ. विष्णुधर श्री वाकणकर एवं बिलपांक के ही पत्रकार स्व.ओम प्रकाश पंड्या के शोध ग्रंथो से प्राप्त जानकारी अनुसार यह स्थल प्राचीन समय में मालवा का एक समृद्ध शाली नगर था ,परंतु 12 वीं शताब्दी के मध्य में किसी कारण से यह अवनति की ओर अग्रसर होकर खंडहर में परिवर्तित हो गया।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पाटीदार ने बताया कि, यह स्थल विशेषकर वस्तुतः मौर्य काल के पूर्व से ही शिव उपासना का अति विशिष्ट केंद्र रहा है, मौर्य काल में निर्मित शिव मंदिर के मौर्यकालीन स्तंभ का एक शीर्ष वर्तमान शिव मंदिर के सभागृह में 850 वर्ष पूर्व जीर्णोद्धार के समय से आज तक एक गवाक्ष में लगा है । प्राचीन काल के इस स्थान विशेष की परंपरागत धार्मिकता का यह एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। 12वीं शताब्दी के अंत में गुजरात के महाराज जयसिंह सिद्धराज चालुक्य नरेश जिसने मालवा राज्य को जीता वह खंडहर वाले गांव से गुजर रहा था उसने देखा कि प्राचीन शिव मंदिर ग्राम के मध्य क्षतिग्रस्त व ध्वस्त रूप में है। उन्होंने तत्काल मंदिर के जीर्णोद्धार का आदेश दिया तथा मूल प्रतिमा को पुनः विरुपाक्ष के नाम से प्रतिष्ठित किया। पूर्व में इस स्थल का क्या नाम था यह किसी को ज्ञात नहीं।

इस प्रकार कालांतर में नए स्थल का नाम परिवर्तित होकर बिलपांक बन गया विरुपक्षी, बिलुपाक्ष, बिलुपांख, बिलपांक अतः अतः बिलपांक विरूपाक्ष का ही अपभ्रंश है। विरुपाक्ष महादेव मंदिर का मूल शिखर,शिव पंचायतन की अति प्राचीन मू मुस्लिम आक्रमण के समय नष्ट कर दिया गया था बाद के कालखंड में सैलाना के राजाओं द्वारा भी इसका जीर्णोद्धार कराया गया । इस मंदिर के चारों ओर सुरक्षा दीवार थी जो अब नष्ट हो चुकी है। इस दीवार के अवशेष अभी मंदिर के पश्चिम की ओर दिखाई देते हैं मंदिर के उत्तर पश्चिम में थोड़ी दूरी पर एक जलकुंड भी है। मंदिर के इतिहास और सुन्दर वास्तुकला के कारण इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल होने के प्रयास किए जा सकते है। विरुपाक्ष महादेव से संबंधित ऐतिहासिक तथ्यों व किंवदंतियों के संग्रह का श्रेय स्व.ओम प्रकाश पंड्या जी को जाता है।

तीन नशेड़ियों सहित अवैध कट्टे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

कोतवाली पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में तीन नशेड़ी को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से नशीला ड्रग पाउडर बरामद किया है। थाना शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने पशुपतिनाथ मंदिर मेला ग्राउंड से स्मैक का नशा करते हुए धर्मेंद्र उर्फ डब्बू पिता हुकुम सिंह राजपूत (38) निवासी चंद्रपुरा, कालाखेत स्कूल ग्राउंड से जाफर उर्फ रेंडी पिता उस्मान खान (40) निवासी चांदनी चौक मदारपुरा और तोड़े वाले बाबा की दरगाह के पास से बबलू पूर्व प्रकाश पिता कंवरलाल सुथार (38) निवासी अवाड़ा घाटी खानपुरा मंदसौर को मौके से नशा करते हुए गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से नशीले ड्रग स्मैक की पुड़िया और नशे के उपयोग ने आने वाली सामग्री बरामद की है। मामले में कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 8/27 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने तीन नशेड़ियों को जरूर गिरफ्तार किया है लेकिन शहर में स्मैक सहित अन्य नशीली सामग्री बेखौफ विक्रय हो रही है। अवैध रूप से नशा बेचने वालों के खिलाफ पुलिस की ठोस कार्रवाई की जरूरत है।

इधर अवैध देशी कट्टे के साथ आरोपी गिरफ्तार, कुचड़ोद बस स्टैंड से किया गिरफ्तार

मंदसौर की अफजलपुर थाना पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। अफजलपुर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से देसी कट्टा लेकर घूम रहा है हो सकता है वह किसी वारदात को अंजाम देने जा रहा हो।

सूचना के आधार पर अफजलपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के कुचड़ोद गांव स्थित बस स्टैंड से श्रवण पिता संग्राम सिंह राठौड़ निवासी अरनिया गुर्जर को मौके से हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कमर में बंधा हुआ अवैध 12 बोर का देसी कट्टा और जिंदा राम कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने उसके खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। आरोपी अवैध हथियार कहां से लेकर आया था और इस का क्या करने वाला था मामले में पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सिंधी हिंदू समाज की धर्मपीठ में हुआ भगवान पशुपतिनाथ का अभिषेक

माही की गूंज, मंदसौर।

पुरुषोत्तम सावन मास के द्वितीय सोमवार और सोमवती, हरियाली अमावस्या के अवसर पर सुबह 6 बजे सिंधी हिंदू समाज की प्रमुख धर्मपीठ श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में अष्टमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की अष्टधातु प्रतिमा का पंडित उमेश जोशी (शास्त्री) ने पूजा व अभिषेक करवाया। कविता राजकुमार पमनानी और परिवार ने रूद्र अभिषेक किया।

सेवा मंडली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने बताया कि, सावन सोमवार व हरियाली अमावस्या साथ-साथ होने से शिव भक्तों में अधिक उत्साह रहा। जयकारों के साथ पंचामृत, महारुद्राभिषेक किया। अभिषेक के बाद भगवान पशुपतिनाथ महादेव की प्रतिमा का मनमोहक श्रृंगार किया और आरती की।

इस अवसर पर कविता पमनानी, देवी फतनानी, रेखा उत्तवानी, कुंती पमनानी, दिव्या शिवानी, हीना बालानी, ममता संगतानी, माया बिजानी, कुन्ती पमनानी, मोहन नंदवानी आदि भक्तों ने अभिषेक किया। भगवान श्री भोलेनाथ, श्री लक्ष्मीनारायण, आचार्य सतगुरू स्वामी टेऊंरामजी महाराज, सर्वानन्दजी महाराज, शांतिप्रकाशजी महाराज एवं हरिदासरामजी महाराज की आरती की।

पौधे रोपकर लिया हरियाली का संकल्प

भावसार विद्या मंदिर खानपुरा में हरियाली अमावस्या के अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाई। इस अवसर पर विद्यालय संचालक रवि भावसार ने कहा कि पौधे अपने लिए कुछ नहीं रखते, उनसे जो भी प्राप्त होता है, उससे समाज और पर्यावरण के लाभ जुड़े हैं। सभी को इस मौसम में संकल्प लेकर पौधरोपण जरूर करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने की गुलाना तहसील का नामकरण गौलाना करने की घोषणा

गुलाना में नई सड़क एवं 132 केव के उपकेंद्र को बनाया जाएगा - मुख्यमंत्री चौहान

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर के दौरे पर आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, शिक्षा के बिना जीवन सूना है, हर बच्चे का यह अधिकार है कि वह शिक्षा प्राप्त करें। हर बच्चा प्रतिभाशाली होता है। लेकिन कुछ बच्चे अच्छी शिक्षा के अभाव में पिछड़ जाते है। मै बच्चों के सपनों को मरने नहीं दूंगा। सभी बच्चों के सपनों को एक नई उड़ान दूंगा। मुख्यमंत्री चौहान ने सोमवार को शाजापुर जिले के ग्राम गुलाना में प्रदेश के पहले सीएम राईज स्कूल भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने घंटी बजाकर स्कूल चलें हम अभियान 2023 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश की सभी शालाएं एवं अभिभावक शिक्षक संघ, वर्चुअली जुड़ें।

मुख्यमंत्री चौहान ने आम जनता की मांग पर गुलाना तहसील का नाम गौलाना करने की घोषणा की। साथ ही गुलाना को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गुलाना में 132 केव्ही का विद्युत उपकेन्द्र बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने महिषासुर मर्दिनी मंदिर के विकास के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने तथा मनकाम्नेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार करने एवं गुलाना में नई सड़क एवं बायपास का निर्माण करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलाना का सीएम राइज स्कूल डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम से जाना जायेगा। स्कूल परिसर में बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा भी लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम राईज स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों के लिए मेरी शुभकामनाएं है, वे एकाग्रचित होकर पढ़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, स्वामी विवेकानन्द का यह वाक्य मुझे हमेशा प्रेरणा देता है कि तुम केवल हाड़ मांस के पुतले नही ईश्वर के पुत्र हो, अमर के भागी हो दुनिया में सब कुछ कर सकते हो। प्रदेश के सभी स्कूलों में स्कूल चले हम अभियान चल रहा है। शासन ने भी बच्चों के लिए साईकिल, यूनिफार्म, पाठ्यपुस्तक की व्यवस्था की है। 20 जुलाई को 75 प्रतिशत अंक पाने वाले बच्चों को लेपटॉप के लिए 25 हजार की राशि दी जाएगी। 12 वीं कक्षा में जो बच्चें अपनी कक्षा में प्रथम आएंगे उन्हें स्कूटी भी प्रदान की जाएगी। बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए बच्चों में कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा के रास्ते में कोई रूकावट नही रहने दिया जाएगा। मेडिकल और इंजिनियरिंग कालेज में प्रवेश लेने वाले बच्चों की फीस शासन वहन करेगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रतिभाशाली विधार्थी नितिश पटेल, संध्या पाटीदार, अभिनव पंवार, भूमि एवं विधा मेवाड़ा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री अन्नदुत युवा योजना के तहत लाभार्थी हैदर खान को पीकअप गाड़ी की चाबी प्रदान की। लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत कुमारी कनिष्का एवं कुमारी माहिरा को 1 लाख 43 हजार की स्वीकृति का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत रितेश शर्मा को 4 लाख की राशि का एवं स्वामित्व योजना के अंतर्गत 10 हितग्राहियों को पटटा दस्तावेज अभिलेख वितरित किए।

लोकार्पण कार्यक्रम में प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राज्यमंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री ब्रजेंद्र सिंह यादव, सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, एमपी पुलिस हाउसिंग के एडीजी उपेंद्र जैन, संभागायुक्त संदीप यादव, आईजी संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर किशोर कन्याल, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, सुसनेर के विधायक राणा विक्रमसिंह, पूर्व विधायक अरूण भीमावद, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला विकास प्राधिकरण अध्यक्ष माखन सिंह चौहान, मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेंद्र बरुआ पंकज जोशी, नगरपालिका शाजापुर अध्यक्ष प्रेम जैन, नगरपालिका शुजालपुर अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, जगदीश अग्रवाल, अशोक नायक, क्षितिज भट्ट, श्री विजयसिंह बैस, दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण, आम नागरिकगण, बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी एवं प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों को अब तक नहीं मिला पिछले सत्र का वेतन

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद भी समस्या का नहीं हुआ निराकरण

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

अलीराजपुर जिले का खण्ड शिक्षा कार्यालय उदयगढ वैसे ही पुर्व से गंभीर भष्टाचार व अनियमित्ता को लेकर जिले मे ही नही पुरे प्रदेश मे काफी चर्चित है। जिसका मुख्य कारण है, थाना उदयगढ मे 16जुलाई 2020 मे इस कार्यालय मे करीब 17 करोड रुपए से अधिक शासकीय राशि के गबन के मामले मे 14 अधिकारी व बाबुओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमे 9 कर्मचारी गिरफ्तार होकर जेल मे बंद है तथा 5 कर्मचारी की गिरफ्तारी शेष होकर अभी भी फरार है।

खण्ड शिक्षा कार्यालय उदयगढ मे इतनी बडी भष्टाचार की घटना के संबध मे कार्यवाही होने पर क्षैत्र की जनता ल व पालकगण यह मान रहे थे कि, इस घटना के बाद यहां पदस्थ कर्मचारी कुछ सबक लेगे और उदयगढ मे भष्टाचार मे कमी आएगी। परन्तु नही उदयगढ मे आज भी अनियमितता का बोल बाला है। यहा पर पदस्थ बाबु व अधिकारीगण अपने नए-नए हथकंडे ईजाद कर भष्टाचार मे संलग्न रहते है। अभी-अभी इस खण्ड शिक्षा कार्यालय मे अतिथि शिक्षको के वेतन भुगतान नही होने व निर्धारित वेतन से कम भुगतान करने का मामला काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि, इस विकास खण्ड मे वर्ग 1/2/3 के अतिथि शिक्षक पिछले शिक्षा सत्र मे करीब 350 से अधिक कार्यरत थे। जिनको अपने निर्धारित कालखंड के अनुसार हिसाब से संकुल प्राचार्य की मासिक उपस्थित पत्रक अनुसार खण्ड शिक्षा कार्यालय उदयगढ से वर्ग 1 को 9 हजार, वर्ग 2 को 7 हजार, वर्ग 3 को 5 हजार का प्रति माह मानदेय वेतन के रुप मे दिया जाना निर्धारित था।किन्तु पिछले वर्ष 2022-23 मे अतिथि शिक्षको को जुलाई 2022 से अब तक दिए जा रहे मानदेय वेतन का भुगतान निर्धारित राशि से कम दिया जा रहा है। जिससे अतिथि शिक्षको मे रोष व्याप्त है। जबकि अतिथि शिक्षको की उपस्थित सम्बंधित जनशिक्षक गण अपने संकुल के प्राचार्य के हस्ताक्षर सहित प्रति माह का उपस्थित पत्रक 30अप्रेल को ही बीईओ कार्यालय उदयगढ मे प्रेषित कर चुके है।उसके बाद

निर्धारित राशि का भुगतान नही कर काल खण्ड का व उपस्थित कम होने का हवाला देकर मानदेय राशि का भुगतान कम दिया जा रहा है। जबकि वर्ग 3 के अतिथि शिक्षक तो शिक्षक विहिन शालाओ पर पुरे समय अपनी सेवा दे रहे थे, ऐसे अतिथि शिक्षको का मानदेय का भुगतान कम देना एक विचारणीय प्रश्न होकर जांच का विषय है।

अतिथि शिक्षक वर्ग 3 को 5 हजार के बजाय एक हजार 900 रुपए तो किसी को 5 हजार के बजाय 4 हजार 400 रुपए तो अतिथि शिक्षक वर्ग 1 को 9 हजार के बजाय 7 हजार 600 रुपए का भुगतान किया गया। जबकि बहुत से शिक्षको को भुगतान ही नही दिया जा रहा है जो आये दिन मुख्यालय पर कार्यालयो के चक्कर लगा लगा कर परेशान हो रहे है।

भुरु बामनिया शिक्षक वर्ग 1 में शा. हाई सेकन्डरी बोरी मे कार्यरत था, उन्होंने बताया कि मुझे 9 हजार के बजाय 7 हजार 600 रुपए का ही भुगतान किया गया। जबकि अभी दो माह का भुगतान शेष है। जो एक जांच का विषय है। इस संबध मे प्रभारी प्राचार्य एलबी सिह से चर्चा हुई तो उन्होने बताया कि, मैने उपस्थित पत्रक बीईओ कार्यालय उदयगढ मे 30 अप्रैल को ही प्रेषित कर दिए था। शिक्षक भुरु बामनिया को भुगतान कम व माह मार्च-अप्रेल दो माह का वेतन नही प्राप्त हुआ है तो मै बीईओ उदयगढ से चर्चा कर भुरु बामनिया शिक्षक की समस्या का निराकरण कर वाता हूँ।

उल्लेखनीय है कि, एक अतिथि शिक्षक वर्ग 3 इमरान शेख प्राथमिक शाला भाण्डाखापर (मुझाल्दा फलिया) मे कार्यरत थे व माह अप्रैल का वेतन शेष था। जिसका पुरा वेतन जमा नही करते हुए 5 हजार के बजाय एक हजार 900 रुपए खाते मे जमा किए गए। उक्त अतिथि शिक्षक के विरोध करने पर बाबु ने उसके खाते मे दोबारा 2 हजार 500 रुपए की राशि खाते मे जमा की गई। जो एक आश्चर्य का विषय है कि एक माह की राशि एक ही खाते मे दोबार कैसे जमा की गई। इस प्रकार राशि दो बार जमा करने के बाद भी 600 रुपये का कम भुगतान किया गया। उक्त शिक्षक कानाकाकड संकुल केन्द्र के जन शिक्षक इकबाल शेख का लडका था।

एक अतिथि शिक्षक कैलाश सिह मंडलौई प्राथमिक शाला ग्राम सोलिया (तडवी फलिया) मे कार्यरत होकर उसका मार्च व अप्रेल दो माह का वेतन भुगतान नही करने व पुर्व मे किए गये वेतन का कम भुगतान करने को लेकर दिनाक 26 मई 2023 को सीएम हेल्पलाइन 181 पर अपनी शिकायत भी दर्ज कराई। उदयगढ कार्यालय के कर्मचारीगण द्वारा उक्त शिक्षक को शिकायत वापस लेने के लिए डरा धमकाकर काफी दबाव बनाया जा रहा है पर शिक्षक ने अभी तक अपनी शिकायत वापस नही ली। न ही आज तक उसको राशि का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार शिक्षक सुरेश कनेश प्रा. शाला नंदीधड फलिया ग्राम छोटा ईटारा ने भी वेतन भुगतान नही होने को लेकर दिनाक 15 मई 2023 को 181 सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। उसका माह नवम्बर से राशि भुगतान नही किया जा रहा था। 181 पर शिकायत दर्ज कराने पर उसके खाते मे 17 हजार रुपए जमा किए व शेष राशि दो दिन जमा करवा देगे ऐसा कहकर शिक्षक से 181 से शिकायत हटावा ली गई। पर शेष दो माह की मानदेय राशि का शिक्षक को आज तक भुगतान नही किया जा रहा है। शिक्षक ब्लाक मुख्यालय पर अपनी शेष मानदेय राशि को लेकर भटक रहा है। इसी प्रकार प्रा. शाला पानगोला मे पदस्थ अतिथि शिक्षिका वर्ग 3 रेखा डावर को पिछले माह अगस्त सितम्बर 2022 का मानदेय राशि का भुगतान नही किया जा रहा है। क्षैत्र मे ऐसे कई अतिथि शिक्षक है जो अपने वेतन मानदेय भुगतान नही को लेकर परेशान है।

इस संबध मे जब खण्ड शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र भारद्वाज उदयगढ से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि, पिछले सत्र मे अतिथि शिक्षको का वेतन मानदेय ट्रेजरी कोड नही बनने के कारण शेष रह गया था। जो दो-चार शिक्षक को छोडकर सभी का भुगतान हो चुका है।

हकीकत तो यह है कि, क्षैत्र मे सैकड़ो शिक्षको का भुगतान नही हुआ और जिनको भुगतान हुआ भी तो कम भुगतान किया जा रहा है। इस संबध मे जब बीईओ से चर्चा की जाती है तो कार्यालय के कर्मचारी अधिकारी एक दुसरे पर दोषारोपण करते है पर अतिथि शिक्षको के मानदेय भुगतान की समस्या का समाधान कोई नही कर रहा है। शिक्षक अपने वेतन मानदेय भुगतान को लेकर काफी परेशान है। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद भी समस्या का निदान नही हो पा रहा है। अब ऐसे मे अतिथि शिक्षकगण करे भी तो क्या करे, असमंजस की स्थित बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि, बहुत से ऐसे अतिथि शिक्षक है जिनके पद स्थापना जगह पर इस सत्र मे नवीन 154 स्थाई शिक्षको की भर्ती हो गई है। तो बहुत से अतिथि आज बेरोजगार की स्थित मे है। ऐसे शिक्षको का भी दो-तीन माह का वेतन मानदेय भुगतान नही किया जा रहा है जो उदयगढ ब्लाक मुख्यालय के आये दिन चक्कर लगा लगा कर परेशान हो रहे है। पर उनकी वेतन भुगतान की समस्या का निराकरण नही हो पा रहा है।

आजाद अतिथि शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मंडलौई ने नवागत कलेक्टर अभय अरविंद बेडेकर से माग की है कि, अतिथि शिक्षको उपस्थित से कम भुगतान करने व शेष भुगतान नही देने के संबध मे निष्पक्ष जाच करवा कर दोषीयो पर कार्यवाही कर अतिथि शिक्षको भुगतान करवाकर न्याय प्रदान करे।

राष्ट्रपति ने जिले को किया भूमि सम्मान से सम्मानित

माही की गूंज, खरगोन।

देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू ने खरगोन जिले को भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन भूमि सम्मान 2023 के प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने पर मुखूयमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी खरगोन कलेक्टर वर्मा सहित प्रदेश के 14 अन्य कलेक्टर्स को बधाई दी है। प्रदेश के कृषि मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने भी फोन पर कलेक्टर वर्मा को जिले को सम्मान दिलाने के लिए बधाई दी है। कलेक्टर व जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में यह सम्मान डिप्टी कलेक्टर प्रताप अगासिया ने प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के अंतर्गत मुख्य घटकों के लिए संपूर्णता प्राप्त करने में खरगोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। भूमि सम्मान योजना विश्वास और साझेदारी पर आधारित केंद्र, राज्य का एक अच्छा उदाहरण है। क्योंकि भूमि अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण की श्रेणी प्रणाली मुख्य रूप से राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की रिपोर्ट और इनपुट पर आधारित होती है इससे भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण की डिजिटलीकरण प्रक्रिया से भूमि विवादों से जुड़े लंबित अदालती मामलों को बड़े पैमाने पर कम करने में मदद मिलेगी इससे भूमि विवादों से जुड़े मुकदमे के कारण रुकी हुई परियोजनाओं की वजह से देश की अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद से होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी। साथ ही कृषि और किसान कल्याण, रसायन उर्वरक, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), पंचायती राज और वित्तीय संसाधन आदि केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न सेवाओं और फायदों की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में भूमि रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी बहुत उपयोगी और प्रभावी हो सकती है। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने भूमि सम्मान से सम्मानित होना ऐतिहासिक उपलब्धि बतातें हुए पूरे राजस्व विभाग को बधाई देते हुए क्रेडिट भी दिया है।

अपशिष्ट प्रसंस्करण केंद्र पर किया पौधरोपण

माही की गूंज, खरगोन।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 स्वच्छ भारत मिशन के मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान तहत व अंकुर अभियान अंतर्गत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एमआर निगवाल के निर्देशसानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते के मार्गदर्शन मे एक दिवसीय शहर में स्थित अपशिष्ट प्रसंस्करण अधोसंरचना के आस पास साफ सफाई एसौदर्यीकरण एवं सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस एक दिवसीय आयोजन में एफएटीपी, काम्पोसिंग, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट और मटेरियल रिकवरी इकाईयो के आसपास की खाली भूमि पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसमे नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्माए लोक निर्माण सभापति चंद्रपाल सिंह तोमर, स्वास्थ्य सभापति श्रीमती पूजा जितेन्द्र चोपड़ा एवं आईईसी टीम उपस्थित थे।

नवागत थाना प्रभारी मंडलोई का स्वागत तथा चंदेल को विदाई दी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ थाने के थाना प्रभारी दिलीप चंदेल का स्थानांतरण होने के कारण उनके स्थान पर आए नवागत थाना प्रभारी योगेंद्र मंडलोई का स्वागत तथा चंदेल को आम्बुआ पत्रकार संघ द्वारा विदाई दी गई।

आम्बुआ थाने पर दिनांक 19 दिसंबर 21 को पदस्थ थाना प्रभारी दिलीप चंदेल जिनका कार्यकाल लगभग डेढ़ वर्ष का रहा, मिलनसार मृदुभाषी दिलीप चंदेल को आम्बुआ पत्रकार संघ की ओर से अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, असलम मकरानी, हुसैन बोहरा द्वारा विदाई दी गई। अपने विदाई उद्बोधन में थाना प्रभारी दिलीप चंदेल ने कहा कि, आम्बुआ पत्रकार संघ का अच्छा सहयोग मिला साथ ही कस्बे के समस्त नागरिकों अन्य कर्मचारियों तथा विभाग के सहयोगियों भरपूर सहयोग रहा मैं आम्बुआ को कभी भूल नहीं पाऊंगा।

नवागत थाना प्रभारी योगेंद्र मंडलोई का पत्रकार संघ द्वारा स्वागत किया गया। अपने स्वागत के प्रत्युत्तर में मंडलोई ने कहा कि, वह सभी के सहयोग से कस्बे में शांति व्यवस्था कायम रखकर जनसहयोग से अच्छी सेवा देने का प्रयास करेंगे पत्रकार संघ का सहयोग मिलता रहे।

डेढ़ वर्ष में 20 मनो रोगियों का आशा आश्रय गृह से परिवार में हुआ पुनर्वास

माही की गूंज, बड़वानी।

आशा ग्राम ट्रस्ट द्वारा चोकसी वाला वाला ज्वेलर्स कुक्षी एवं बड़वानी के आर्थिक समन्वय से संचालित निराश्रित मानसिक रोगियों के आशा आश्रय गृह में पारिवारिक माहौल के साथ मनो रोगियों को उपचार के साथ साथ विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर स्वावलंबी भी बनाया जा रहा है। इस परिवेश की प्राकृतिक एवं मनोवैज्ञानिक उपचार थेरेपी से मनोरोगी शीघ्र लाभान्वित होकर पुनः मनो चेतना पाकर अपने परिवार एवं परिजनों के निवास स्थान का पता बताने में सफल हो जाते हैं। इसी का कारण है कि डेढ़ वर्ष के अल्प समय में 20 ऐसे मनोरोगी अपने परिवार में पुनः लौट सके हैं जो रास्ता भटक कर घर से निकल गए थे। संयोग से आज अंतर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस भी है जिसमे परिवार से बिछड़े दो मनो रोगियों को प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में एवं जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मानवेंद्र पवार एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलीप सिंह मुजाल्दा, ट्रस्ट के सचिव डॉ शिवनारायण यादव राजेंद्र चोकसी की उपस्थिति में सह सम्मान परिजनों के सुपुर्द किया गया। अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस को 67 मिनट के नाम से भी जाना जाता है। जिसके तहत उक्त अवधि में विश्व और मानव कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। मनो रोगियों को जिला चिकित्सालय के सेवाभावी चिकित्सक डॉ. राहुल पाटीदार के चिकित्सकीय मार्गदर्शन में मनोपचार किया जाता है। इस आश्रय गृह के संचालन में चोकसी वाला ज्वेलर्स कुक्षी एवं बड़वानी के राजेंद्र चोकसी सतत इस केंद्र पर अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। चिकित्सा सेवा का यह प्रकल्प समान मानव अधिकार एवं समरस समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

गुजरात के ग्राम पोइली जिला पांच महल के राठौड़ परिवार को जैसे ही आश्रय गृह के द्वारा बताया गया कि, उनका पुत्र शैलेश राठौड़ यहां उपचार रत होकर ठीक हो गया है वैसे ही वह तुरंत उसे लेने के लिए आज आशा आश्रय ग्रह पहुंचे। इसी प्रकार धार जिले के ग्राम घोड़ा विकासखंड बाग के समरथ भी 1 वर्ष से घर से लापता थे जिसे ठीक होने के बाद परामर्श के द्वारा आश्रय ग्रह में मिली जानकारी के आधार पर परिवार से संपर्क साधा गया वह भी आज अपने पुत्र को लेने के लिए आश्रय गृह आए जिनकी विदाई अतिथियों की उपस्थिति में की गई। इस अवसर पर असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती विनीता डाबी, आशाग्राम ट्रस्ट के न्यासी व कार्यकर्ता एवं आशा आश्रय गृह के श्री समाधान पाटील, श्रीमती साधना भावसार उपस्थित थे।

सीवरेज से बढ़ गई बीमारियां, हवा और पानी का प्रदूषण भी बढ़ा

घरों के सीवरेज को चेंबर की जगह नालियों में छोड़ दिया, पेमेंट रुपया, काम चवन्नी

53 हजार 273 घरों के लिए स्वीकृत राशि का भुगतान 27 हजार 103 घरों पर ले लिया

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के 53 हजार 273 घरो के इन फ्लो को सीवर लाइन से जोड़ने के लिये 120.54 करोड का टेंडर अहमदाबाद की जय वरुणी इंफ्राकान प्राइवेट लिमिटेड के लिये स्वीकृत हुआ था। नगर निगम द्वारा मात्र 27 हजार 103 घरो के नाम पर 123.84 करोड भुगतान कर दिया गया। अनुबंध अनुसार घरो के बाहर चेंबर बनाकर उसे घरो के सीवर टेन्क के इन फ्लो से जोडना था। लेकिन आधे से ज्यादा घरों के आउट फ्लो को नालियों में छोड़ दिया गया। जिससे शहर में चारों ओर बीमारियों का आतंक हो गया।

केंद्र सरकार ने विश्व बैंक से अमृत मिशन के नाम पर राशि प्राप्त कर शहरो में सीवरेज की गंदगी से बढ़ रही वाटर बोन्डेड डिसीस पर अंकुश लगाने के लिए सीवरेज प्रोजेक्ट मंजूर करवाया था। इसके तहत घरों के सीवरेज टैंक से निकलने वाली गंदगी, जो नालियों में मिल रही थी, उसे चेंबर के माध्यम से मेन होल में डालकर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक ले जाना था। जिससे शहर मे हो रही 75 प्रतिशत बीमारिया जो सीवरेज की गंदगी से होती है, जिसे वाटर बोन्डेड डिसीज बोलते है, वह समाप्त हो जाय। भूमिगत जल जो सीवरेज की गंदगी के रिसाव से दूषित हो रहा है, वह रुक जाय। तथा सीवरेज की गंदगी जो नालियो मे बहती हुई नदियो मे मिल रही है, जिससे पीने का पानी प्रदूषित हो रहा है, उस पर रोक लग जाए। सीवरेज के पाइप को नालियों में छोड़कर सीवरेज प्रोजेक्ट के मेन उद्देश्य की हत्या हो गई। ठेकेदार ने नाममात्र के घरों के बाहर चेंबर बनाए, अनुबंध के एक चौथाई मेन होल बनाएं तथा उसने अनुबंध के स्पेसिफीकेशन के विपरीत जो ट्रीटमेंट प्लांट बनाए, उसमे से एक भी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट चालू हालत में नहीं है। और नाममात्र का सीवरेज का गंदा पानी जो ट्रीटमेंट प्लांट तक जा रहा है, वो साफ भी नहीं हो रहा है, तथा उस पानी को बिना साफ किए, ट्रीटमेंट प्लांट के पास बह रहे नालों में छोड़ दिया जा रहा है। जो सीधा धोलावाड़ में जाने वाली छोटी-छोटी नदियों में मिल रहा है और उसी का परिणाम है कि पूरे शहर के नलो मे बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है।

सीवरेज प्रोजेक्ट को अनुबंध के अनुसार नवंबर 2018 में पूर्ण होना था लेकिन आज तक वह पूर्ण नहीं हुआ तथा उससे पेनल्टी के रूप में 18 करोड वसूल करने की जगह अतिरिक्त 20 करोड रुपए स्वीकृत कर दिया गया। जबकि शहर की यह हालत है कि सीवरेज के जो नाम मात्र के चेंबर बनाए गए है। वे ओवरफ्लो होकर सड़कों पर सीवरेज का गंदा पानी बहा रहे, जिससे शहर में बीमारियां बढ़ रही है। पिछले 3 साल में जिला चिकित्सालय तथा निजी चिकित्सालय में आउटडोर और इंडोर पेशेंट की संख्या 2 से 3 गुना वृद्धि हुई है। शहर में कैंसर और ह्रदय रोग के मरीजों की संख्या मे बेतहाशा वृद्धि हुई है। पूर्व विधायक और कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ने बताया कि पूर्व में सीवरेज की गंदगी नालियों में बहती हुई चली जाती थी, लेकिन अब सीवरेज की गंदगी चारों ओर सड़कों पर बह रही है, जिससे वह पैदल चलने वाले, वाहनों के चलने से, तथा पशु पक्षी के विचरण से, घरों में जा रही है। शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है और सीवरेज प्रोजेक्ट की खामियो की आईआईटी इंदौर के इंजीनियरो से जांच की जाय। सीवरेज प्रोजेक्ट मे पूर्ण सुधार कर, उसे उपयोगी बनाया जाय तथा सीवरेज ठेकेदार पर अनुबंध के विपरीत कार्य करने पर फौजदारी प्रकरण दर्ज किया जाये।

रोटरी क्लब अलीराजपुर ने कलेक्टर का किया स्वागत

माही की गूंज, अलीराजपुर। अलीराजपुर को जिला बने आज 15 वर्ष पूरे हो चुके हैं और जिला बनने के बाद आज रोटरी क्लब ऑफ पेशेंस के पदाधिकारी एवं सदस्य अलीराजपुर जिले में 12 वे कलेक्टर के रूप में अभय अरविंद बोर्डेकर पदस्थ हुए उनसे औपचारिक मुलाकात एवं स्वागत स्वागत किया गया। कलेक्टर को रोटरी क्लब ऑफर पेसेंस के द्वारा अलीराजपुर जिले में किए गए कार्यों के बारे में बताया। कलेक्टर महोदय से रोटरी क्लब को शासन - प्रशासन की ओर से सहयोग करने की अपील की एवं आवेदन देकर से आग्रह किया गया कि, समस्त विभाग द्वारा सामाजिक संगठन रोटरी क्लब ऑफ पेशेंस के सदस्यों को सहयोग करने के लिए निवेदन पत्र भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष जया गहलोत, सचिव पूर्णिमा व्यास, सहसचिव निर्मला मायडा, मीडिया प्रभारी बृजेश खंडेलवाल, सदस्य हेमेंद्र सिसोदिया लोग उपस्थित थे।

विद्यालय का 38 वां स्थापना दिवस मनाया

माही की गूंज, खरगोन/बमनाला।

बुधवार को बमनाला विद्यालय में विद्यालय का 38 वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व आचार्य, पूर्व छात्र, समिति पदाधिकारी, समाज जन और आचार्य परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ देव पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के पूर्व आचार्य राजेन्द्र कानूनगो रहे व विशेष आमंत्रित अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक जयेंन्द्र मांडलिक रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष भगवान सिंह गिन्नारे ने की।अतिथियों का परिचय व्यवस्थापक केदार सोहनी ने दिया। शाल श्रीफल देकर अतिथियो का स्वागत सचिव इन्द्रपालसिंह सिंह गिन्नारे ने किया। कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाने वाले भैय्या बहनों को सम्मानित किया गया। कक्षा 10 वी में बहन रानी वर्मा को 94 प्रतिशत अंक लाने पर 2 हजार 100 रुपए का पुरुस्कार दिया गया।कक्षा 5 वी और 8 वी में सर्वाधिक अंक लाने वाले भैय्या बहनों को 501 रुपए के नगद पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्व छात्रों ने अपनी स्मृतिया साझा कर सभी को भाव विभोर कर दिया।

समिति के व्यवस्थापक ने अपने पिता शिव राम सोहनी की ओर से विद्यालय की कम्प्यूटर क्लास के लिये 51 हजार रुपए देने की घोषणा की। समिति के सदस्यों ने भी एक-एक कंप्यूटर सेट देने की घोषणा की। जिसका सदन में करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्य सुबोध परचुरे द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना जोशी दीदी द्वारा किया गया।

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित के कर्मचारी भूल गए खाद गोडाउन का ताला लगाना

माही की गूंज, जोबट। अनिल हरवाल

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बड़ा-गुड़ा के कर्मचारी मंगलवार को पता नही किस धुन में थे कि खाद गोडाउन का शटर नीचे करना और ताला लगाना ही भूल गए। जिसका पता करीब 9 बजे पड़ोस में रहने वाले दीवानसिंह पटेल को पता चला तो आसपास के लोगों को एकत्रित कर विडियो बनाकर एसडीएम, तहसीलदार और थाना प्रभारी को अवगत कराया। लेकिन मोके पर कोई भी जिम्मेदार नहीं आया। उसके बाद मे गांव के लोगों के द्वारा मेनेजर महिपाल राणावत को बताया गया तब करीब 11 बजे सोसाइटी का कर्मचारी रंजीतसिंह ठाकुर आकर शटर डाउन कर ताला लगाया। मोके पर गांव के लोगों द्वारा पूछा गया कि, आप सेंटर पर ताला लगाना क्यों भूल गए और 3 से 4 बार पूर्व मे भी ऐसी भूल हो चुकी है। तब रंजीतसिंह ठाकुर मुझे माफ कर दो यह कहकर माफी मांगने लगा। बताया जाता रहा है कि, पिछले वर्ष भी ऐसे ही ताला लगाना भूल गए थे, तब भी पटेल परिवार के द्वारा सोसाइटी के कर्मचारी को अवगत कराया था। ऐसी लापरवाही कब तक चलेगी और लापरवाही में जो नुकसान होगा। उसका जिम्मेदार कौन होगा...? सोसाइटी के कर्मचारी और चोरों की मिलीभगत से खाद के गोडाउन के ताले को खुला छोड़ा गया हो...! यह एक सोचने वाली बात है। यह एक जांच का विषय बन गया है।

रिटायर्ड शिक्षक बलवंत सिंह वाघेला ने अपने जन्मदिन को बनाया यादगार, दो स्कूलों को लिया गोद

स्कूल कैम्पस में किया पौधा रोपण, साथ ही बच्चों के पानी पीने के लिए टंकी के साथ लगवाया नल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

रिटायर्ड शिक्षक बलवंत सिंह वाघेला ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नागर सिंह चौहान एवं बीआरसी धर्मेंद्र कटारा की उपस्थिति में अपने जन्मदिन पर 2 स्कूलों को गोद लिया। स्कूल में बच्चो के पानी पीने के लिए टंकी के साथ नल भी लगवाया। स्कूल कैम्पस में पोधा रोपण भी किया। रिटायर्ड शिक्षक बलवंत सिंह वाघेला का कहना है कि, मेने इसी मालवाई गांव की इस स्कूल से प्राथमिक पढ़ाई की है नोकरी लगने के बाद यही पर लगभग 12 वर्ष नोकरी भी की है, उसके पश्चात 17 वर्षो तक जनशिक्षक का कार्य किया है, मेरे लिए यह स्कूल बहुत महत्त्व रखती है। मेरा सपना था इस स्कूल को गोद लेकर यहां कुछ करू और आज वह सपना साकार हुआ। इस स्कूल को गोद लेकर समय समय पर स्वयं उपस्थित रहकर बच्चो को पढ़ाने का कार्य भी करूंगा।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नागर सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि, वाघेला ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाया है, जो संकल्प लिया है मालवाई और पुजार की चौकी की प्राथमिक स्कूल को गोद लेने का आज इसकी एक अच्छी शुरुआत हो गई है। साथ ही कहा की हर व्यक्ति को अपने जीवन में कही न कही संकल्प लेना ही चाहिए।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नागर सिंह चौहान, बीआरसी धर्मेंद्र कटारा, भाजपा नगर अध्यक्ष रिंकेश तवर, हितेंद्र शर्मा, अरविंद गेहलोत, विनेश वाघेला, योगेश सोलंकी, यशवंत पंवार, धर्मेंद्र चौहान, सुदेश वाघेला, ज्ञानेंद्र गेहलोत, नरेश वाघेला, शैलेश वाघेला, जितेंद्र वाघेला, लवींद्र चौहान, लीलेंद्र वाघेला, राकेश चौहान, रवि तवर, असाडा राजपूत समाज के सदस्यगण, संबंधित शाला के शिक्षक, शिक्षिकाए, बच्चे, ग्रामीण जन आदि उपस्थित रहे।

अब श्रावण या सोमवार को नहीं अपितु प्रतिदिन और शाम होती है शिवालय में पूजा अर्चना

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में हथनी नदी किनारे स्थित शिवालय में श्रावण मास तथा सोमवार एवं शिवरात्रि पर पूजा अर्चना हेतु भक्तों की भीड़ रहती थी मगर अब शिवभक्त प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा-अर्चना अभिषेक आदि करते नजर आ रहे हैं जिस कारण मंदिर प्रांगण में धार्मिक माहौल बना रहता है।

हमारे संवाददाता के अनुसार आम्बुआ में सबसे प्राचीन शिवालयों में शुमार हथनी नदी किनारे स्थापित शिवालय में शिवरात्रि पर, श्रावण सोमवार, मशांमहादेव व्रत तथा पशुपतिनाथ एवं सोलह सोमवार व्रत के अवसर पर ही पूजा-अर्चना करने वाले दिखाई देते थे। इसके बाद कुछ नाम मात्र के शिव भक्त आते जाते थे मगर जब से सीहोर वाले सदुरु तथा शिव पुराण प्रवक्ता पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव पुराण कथा का वाचन टी.वी के माध्यम से प्रारंभ हुआ तब से क्षेत्र में नवचेतना का ऐसा संचार हुआ कि अब शिवालयों में भीड़ ही भीड़ नजर आती है। आम्बुआ में पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी की प्रेरणा से छोटे-छोटे बच्चों ने बाल शिव भक्त मंडल बनाकर शिव आराधना प्रारंभ की नतीजा यह रहा कि सुबह छोटे-छोटे बच्चों सहित बड़े भी शिव जी को एक लोटा जल चढ़ाने हेतु शिवालय आने लगे हैं। साथ ही शाम को शिवालय आरती की घन्टियां तथा शिवजी के जयघोष सुनाई पड़ने लगे हैं। जिस कारण सुबह से शाम तक यहां शिवमय वातावरण बन रहा है। यह समय श्रावण मास का है जो कि शिव जी को सबसे प्रिय मास लगता है। इस बार अधिक मास होने के कारण श्रावन महीने का अत्यधिक महत्व माना जा रहा है तथा दो माह तक शिव आराधना भक्त कर सकेंगे तथा पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यही कारण है कि आम्बुआ जैसे छोटे कस्बे में सभी शिवालयों में भारी भीड़ देखी जा रही है। विशेषकर हथनी नदी किनारे स्थित शिवालय में तो दिन भर चहल-पहल बनी रह रही है।

कांग्रेस की भगवा मय धार्मिक यात्रा

2023 चुनाव से पहले धर्म यात्रा को लेकर मैदान में उतरे जिला महासचिव अजनार

माही की गूंज, जोबट।

कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जहां जगह-जगह पर हनुमान चालीसा व सुंदरकांड करने को लेकर कार्यकर्ताओं को निर्देशित कर रहें है, वहीं अब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता भी भगवा मय रूप में देखे जा रहे हैं। इसी को लेकर एक और धर्म की यात्रा के माध्यम से कांग्रेस को मजबूत करने का काम जोबट के स्थानीय नेता जिला महासचिव सुरपाल अजनार के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। जहां वह जोबट विधानसभा के हर बूथ पर जा कर हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ कर कमलनाथ का सन्देश गांव-गांव तक ले जाने का काम कर रहें है तो वहीं अब धर्म यात्रा निकाल कर जानता के बीच भगवा रूप में देखे जा रहें है। इसी के साथ उनके द्वारा जोबट से कुबेर धाम यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 700 से ज्यादा कांग्रेसी कार्यकर्ता व भक्त समाजसेवी लोगो ने इस यात्रा का लाभ उठाया। वहीं दूसरी और इस यात्रा के माध्यम से अजनार ने अपना आगामी चुनाव को लेकर शंकरनाद भी कर दिया है।

वहीं अजनार के द्वारा कहा गया है कि, कांग्रेस पार्टी उन पर बार अगर उन पर भरोसा जताती है या उन्हें पर जिम्मेदारी सौंकती हैं, तो वहां उसे अच्छी तरह से निभाएंगे और कांग्रेस को मजबूत कर जोबट में कांग्रेस सरकार बनाएंगे।

श्मशान घाट पर जाने वाले सीसी रोड का हुआ भूमि पूजन

माही की गूंज, जोबट।

जनपद पंचायत जोबट के ग्राम बड़ा गुड़ा पंचायत में श्मशान घाट पर करीब 30 लाख रुपए की लागत से बनने वाला सीसी रोड का भूमि पूजन किया गया। जिसमें गांव के सरपंच-सचिव और गांव के अमरसिंह पटेल साथ ही जनपद सीईओ और गांव के लोग एकत्रित होकर सीसी रोड का भूमि पूजन किया।

पूर्ण विधि-विधान के साथ दशा माता की स्थापना की गई

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष मां दशा माता की दस दिवसीय आराधना हेतु दशा माता की मूर्तियों की स्थापना तीन स्थानों पर किए जाने के समाचार है।

अपने घर की परिवार की, क्षेत्र की दशा सुधारने सुख समृद्धि की कामना के साथ श्रावण मास की अमावस के दिन दशा माता की स्थापना की जाती है। 10 दिनों तक माताजी की विशेष आराधना की जाती है आम्बुआ इंदिरा आवास फलिया, कुमार मोहल्ला तथा मेलडी माता मंदिर में माताजी की स्थापना के पूर्व कस्बे में जुलूस निकाला जाकर स्थापना स्थल पर लाया जा कर विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना कर माता जी की मूर्ति स्थापित की गई। दस दिनों तक आराधना पश्चात मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा।

दलित महिला सरपंच को जूते से पीटा व कीचड़ में घसीटा, केस दर्ज, आरोपी फरार

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में एक दलित महिला सरपंच को जूते से पीटने का मामला सामने आया है। दलित महिला सरपंच को कीचड़ में घसीटने का भी आरोप है। तेंदुआ पुलिस स्टेशन के इंचार्ज मनीष जादोन ने बताया कि, पहाड़ी गांव पंचायत के सरपंच द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मामले में सभी आरोपी अभी फरार है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने की कोशिशें की जा रही हैं।

इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। दलित महिला सरपंच के साथ बदसलूकी किये जाने के मामले में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि सरपंच का छोटा बेटा खराई इलाके में गया था। यहां इनमें से एक आरोपी ने उसे टोका और कहा कि वो अपनी मां से एक कागजात साइन करवाए। जब सरपंच के बेटे ने ऐसा करने से मना कर दिया तब आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी। बाद में सरपंच ने थाने में जाकर शिकायत दर्ज करवाई। आरोप है कि उनलोगों ने दलित महिला सरपंच को कीचड़ में घसीटा और जूते से पीटा था।

इस घटना का जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें नजर आ रहा है कि बीच सड़क महिला सरपंच के साथ बदसलूकी की जा रही है। वहां कई लोग भी खड़े हैं लेकिन उस वक्त महिला सरपंच को बचाने या फिर दबंगों को रोकने के लिए कोई भी आगे नहीं आता है।

स्कूल चले हम अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री डावर ने करवाया अध्यापन

चंद्रयान-3 के बारे में चित्र बनाकर बच्चों से प्रश्न पूछे। साथ ही न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण नियम पर भी चर्चा की

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

प्रदेश सरकार के 'स्कूल चले हम' अभियान के तहत क्षेत्र के विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा अपने द्वारा चयनित स्कूल में जाकर अध्यापन कराने के तहत उत्कृष्ट विद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर में मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष व दर्जा कैबिनेट मंत्री माधव सिंह डावर ने विद्यालय की कक्षा 12वीं विज्ञान के छात्र-छात्राओं को अध्यापन कराया। डावर ने हाल ही में चंद्रयान-3 के बारे में चित्र बनाकर बच्चों से प्रश्न पूछे। साथ ही न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण नियम पर भी चर्चा की।

उत्कृष्ट विद्यालय में ही जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह डावर, मंडल अध्यक्ष मनीष शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह डावर, चंद्रशेखर आजाद नगर एसडीएम सखाराम यादव द्वारा भी पृथक-पृथक कक्षाओं में जाकर अध्यापन करवाया। इस अवसर पर बीईओ विनोद कुमार कोरी, संस्था प्राचार्य निलेश शाह, बीआरसी राजेंद्र बैरागी, विद्यालय शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कक्षा लेने से पहले छात्र-छात्राओं को स्कूल चले हम अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों ने संबोधित किया।

अभियान के तहत मध्य प्रदेश वन विकास मंडल अध्यक्ष दर्जा कैबिनेट मंत्री माधव सिंह डावर ने संबोधित करते हुए कहा कि, मध्यप्रदेश शासन की अनेक योजनाएं हैं जो आप सभी के हित में बनी हैं जिसका लाभ आपको लेना चाहिए। स्कूल चले हम अभियान के तहत शासन की मंशा हैं कि जो छात्र-छात्राएं अभी तक स्कूल नहीं आ पा रहे उन्हें भी अनिवार्यतः अपनी स्कूल में लाए। जीवन में शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है शिक्षा हमारे जीवन को अन्य जीवों से अलग करती हैं 64 लाख योनियों में मनुष्य का जन्म श्रेष्ठ कर्म के आधार पर ही प्राप्त होता हैं। हमें चाहिए कि हम इस योनि में अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अच्छे कार्य करे व जीवन को सफल बनाएं।

जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह डावर ने कहा कि, शासन शिक्षा के क्षेत्र में आप सभी को भरपूर सुविधा दे रही हैं। विद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षक आप सभी का भविष्य निर्माण करते हैं आप सभी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाएं।

विधायक प्रतिनिधि भूपेन्द्र डावर ने कहा कि, स्कूल चले हम अभियान उन छात्र-छात्राओं के लिए विशेष हैं जो विद्यालय नहीं पहुंच पाए हैं हमें चाहिए हम उन्हें प्रेरित करके विद्यालय लाए।

मंडल अध्यक्ष मनीष शुक्ला ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय कार्यों को बताते हुवे कहा कि, सभी विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश व समाज की सेवा कर देश के सफल नागरिक बने।

एसडीएम सखाराम यादव ने स्कूल चले अभियान के तहत शासकीय व अशासकीय शालाओं की कार्य प्रणाली में अंतर व शासकीय विद्यालयों के महत्व को बताया।छात्र-छात्राओं से अपने क्षेत्र के शिक्षा से वंचित छात्रों को स्कूल भेजने की अपील की।

'स्कूल चले हम' अभियान के तहत शाजापूर जिले के गुलाना से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 'स्कूल चले हम' अभियान के तहत मुख्यमंत्री का उद्बोधन को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं व स्कूली बच्चों द्वारा लाईव प्रसारण देखा व सुना। कार्यक्रम का संचालन संस्था शिक्षक हेमेंद्र गुप्ता द्वारा किया गया। अतिथियों का आभार संस्था के वरिष्ठ शिक्षक शाहिद शेख ने माना।

कांग्रेस के अनपढ़ विधायक भारी पड़े, भाजपा के ईएनसी सांसद डामर पर

कृषि कॉलेज को लेकर अधूरी जानकारी ने खोली भाजपा की पोल, गूंज के सवालों में घिरे सांसद डामोर

पूर्व विधायक निर्मला भूरिया के कार्यकाल में आवंटित हो चुकी थी कृषि महाविद्यालय की भूमि

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पेटलावद में रविवार को हुई भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद जिले का राजनीतिक पारा बड़ा हुआ है। कांग्रेस और भाजपा के नेता अब एक-दूसरे के विरुद्ध बयानबाज़ी पर उतर आए है। सबसे ज्यादा बवाल पेटलावद के कांग्रेस के विधायक वालसिंह मेड़ा को सांसद गुमानसिंह डामर द्वारा अनपढ़ कहे जाने पर हो रहा है। सोमवार को पेटलावद में विधायक निवास पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सांसद के अनपढ़ वाले बयान पर कड़ा एतराज जताते हुए विधायक वालसिंह मेड़ा ने इसे विधानसभा के ढाई लाख मतदाताओं का अपमान बताया। साथ ही भाजपा नेताओं पर अमर्यादित भाषा बोलकर झूठे आरोप लगाया। कृषि महाविद्यालय की सौगात और उसके ज्ञान के मामले में पेटलावद विधानसभा के अनपढ़ विधायक भाजपा के ईएनसी सांसद पर भारी पड़ गया।

2015 में भाजपा विधायक निर्मला भूरिया के कार्यकाल में आवंटित हो चुकी भूमि

माही की गूंज की और से प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्र की वर्षो पुरानी मांग कृषि महाविद्यालय को लेकर सवाल किया गया था। क्षेत्र के विधायक वालसिंग मेड़ा ने एक साक्षतात्कार में कृषि महाविद्यालय नही बनने के लिए भाजपा की सरकार को जिम्मेदार बताते हुए 15 माह की कांग्रेस सरकार के दौरान कृषि महाविद्यालय को बजट में लेने की मांग करने का दावा किया था। कृषि महाविद्यालय को लेकर आधी-अधूरी जानकारी के साथ सांसद डामोर ने विधायक के दावे को कागजो पर दिखाने की बात कहकर खारिज कर दिया था और अलग से कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता नही होने की बात कहकर महाविद्यालय पेटलावद में ही साइंस विषय की तरह कृषि विषय जोड़ने की बात कही थी। इस बयान के बाद हमने पड़ताल की तो जो दस्तावेज सामने आए वो चौका देने वाले निकले, क्योंकि सांसद डामोर को ये पता ही नही था कि, वर्ष 2015 में ही बरवेट रोड पर पूर्व विधायक निर्मला भूरिया के कार्यकाल में कृषि महाविद्यालय के लिए भूमि आबंटित की जा चुकी है। विधायक वालसिंग मेड़ा ने इस पूरी कार्यवाही के प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध करवाए। हालांकि विधायक मेड़ा 15 माह की सरकार या उसके बाद कृषि महाविद्यालय के लिए मांग करने का कोई दस्तावेज उपलब्ध नही करा पाए पर वालसिंग मेड़ा का कहना है कि, हमारी सरकार कृषि मंत्री और प्रभारी मंत्री को मांग कर प्रथम बजट में ही इसको स्वीकृत करने की मांग की थी। कृषि महाविद्यालय को लेकर सामने आए दस्तावेजों के बाद भाजपा के अधूरे ज्ञान की पोल खुल गई, खुद निर्मला भूरिया जिनके कार्यकाल में भूमि आबंटित की थी वो भी इस मुद्दे पर पार्टी की ओर से सही पक्ष नही रख पाई। जिससे साफ है कि, भाजपा के स्थानीय नेतृत्व की लापरवाही ओर अनदेखी के कारण क्षेत्र को कृषि महाविद्यालय की बडी सौगात से वंचित होंना पड़ा।

पढ़े लिखे सांसद खा गए गच्चा

पूरे प्रदेश के एक विभाग के सबसे उच्च पद पर रह चुके सांसद डामोर अनपढ़ विधायक के सामने गच्चा खा गए। कृषि महाविद्यालय को लेकर गूंज के सवाल पर जो जबाब सांसद की और से आया उसके हिसाब से वो मेडिकल कॉलेज में ही इंजीनियरिंग पढ़ाने का दावा करते नजर आए। मतलब महाविद्यालय में कृषि विषय पढ़ाकर अलग से कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता को नकार दिया, लेकिन ये किसी भी रूप में संभव नही कि कृषि महाविद्यालय भी मेडिकल महाविद्यालय के तरह होता है जहाँ हर प्रकार की कृषि के बारे में बताया, पढ़ाया जाता है और उसके प्रैक्टिकल के लिए पर्याप्त भूमि की आवश्यकता होती है जो कि, वर्तमान महाविद्यालय में न ही पर्याप्त भवन ओर जगह नही है।

कृषि महाविद्यालय हेतु आवंटित भूमि का प्रकरण राजस्व में दर्ज, भूमि अधिग्रहण तक पहुंच चुकी थी प्रक्रिया

कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की स्थापना हेतु कलेक्टर झाबुआ ने प्रकरण क्रमांक 68/अ-19 (3)/ 2014-15 को जारी आदेश में झाबुआ के पेटलावद ग्राम की खसरा कमांक 43 की कुल रकबा 60.53 हैक्टेयर भूमि महाविद्यालय की स्थापना हेतु आंवटन करते हुए तहसीलदार पेटलावद से भूमि कब्जा प्राप्ति सशर्त करने हेतु आदेश जारी किया गया। जिसके पालन दिनांक 7 नवम्बर .2015 को समिति द्वारा स्थल निरिक्षण कर सम्पूर्ण बिन्दुओं ,पहलुओं के आधार पर प्रतिवेदन प्रदान करने हेतु इन्दौर से जावेगी जो केन्द्र पर पंहुचकर राजस्व टीम के साथ मौका मुआयना कर तहसीलदार पेटलावद एवं सर्कल राजस्व निरिक्षण तथा हल्का पटवारी को सूचित कर आगामी कार्यवाही निश्चित करने का आदेश का किया गया था। जिसके बाद कुलससचिव, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के पत्र क्रमांक 208 दिनांक 27 अप्रैल 2015 से विश्वविद्यालय ने आदिवासी जिलो में कृषि महाविद्यालय स्थापित करने हेतु कृषि कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन से 50 हैक्टेयर भूमि की मांग की गई थी। मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग के जरिये कलेक्टर झाबुआ द्वारा इस हेतु भूमि चयनित कर तहसीलदार पेटलावद से योग्य भूमि प्रदान करने हेतु चयनीत भूमि का सम्बंधित हल्का पटवारी हिम्मत सिंह देवलिया हल्का पटवारी कमांक 5 पेटलावद से प्रस्तावित कृषि महाविद्यालय पेटलावद जिला झाबुआ हेतु भूमि का मौका जांच प्रतिवेदन प्राप्त कर विधिवत् विज्ञप्ति प्रकाशित करवाकर आपत्ति के अभाव में कलेक्टर झाबुआ ने दर्ज प्रकरण क्रमांक/68/अ - 19(3) 2014-15 में दिनांक 3 नवम्बर 2015 से जारी आदेश पृष्ठांकन कमांक 1113 दिनांक 3. नवम्बर 2015 से ग्राम पेटलावद की शासकीय भूमि खसरा कमांक 43 कुल रकबा 60.53 हैक्टेयर भूमि आंवटित सशर्त की होकर उसे अधिग्रहित करने के पूर्व विश्वविद्यालय की ओर से अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, इन्दौर द्वारा बनायी गई समिति से मौका प्रतिवेदन मांगा जाने पर दिनांक 7नवम्बर.2015 को जांच समिति दल ने तहसीलदार पेटलावद से सम्पर्क कर हल्का नम्बर 5 पटवारी हिम्मत सिंह देवलिया के साथ भूमि का अवलोकन किया। मौके पर भूमि की स्थिति का अवलोकन किया विश्वविद्यालय द्वारा कृषि महाविद्यालय स्थापना हेतु भूमि बहुत ही उपयोगी , उपजाऊ एवं श्रेष्ठ पायी गई। भूमि के पास ही तालाब बना होकर जल नहर से सिंचाई की जाने का अवलोकन भी किया। भूमि के पूर्व में तालाब है तथा पश्चिम में प्रस्तावित अस्पताल है जबकि उत्तर में हाउसिंग डेवलमेंट बोर्ड को आंवटित भूमि होकर दक्षिण में दूसरे गांव अंनतखेडी की सीमा है। भूमि पेटलावद से मात्र 1.7 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। भूमि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महाविद्यालय की स्थापना हेतु अति उत्तम एवं योग्य है। इस भूमि के सम्बंध में दस्तावेजी अवलोकन अत्यन्त ही गूणता से करने पर निम्न स्थिति उत्पन्न हुई है। पूरी प्रक्रिया सामने आने के बाद रिटायर्ड ईएनसी सांसद की भाजपा की भारी किरकिरी हो रही है ।

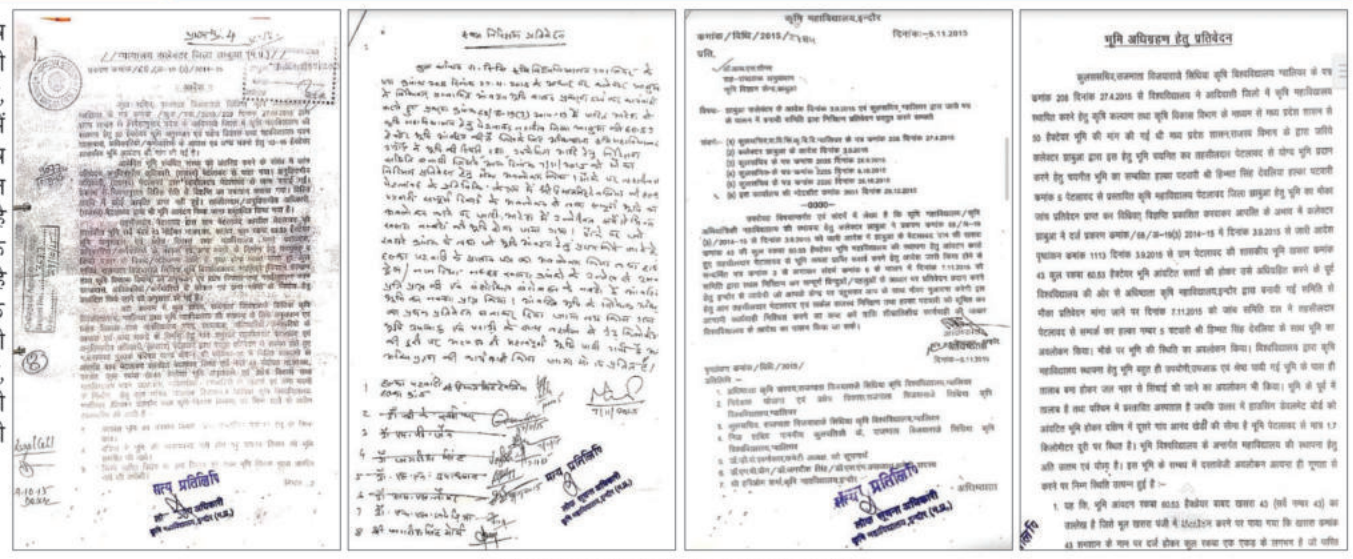

कृषि महाविद्यालय की भूमि आबंटन के सम्बंध में प्रमाणित दस्तावेज।

लॉक डाउन की फीस जमा करोगे तो ही मिलेगा दाखिला

तुम कलेक्टर को शिकायत करोगे तो मेरी पहुंच भी दिल्ली तक है- स्कूल संचालक मिश्रा

माही की गूंज, पारा। गजैन्द्र चौहान

गांव के अंदर साथ-साथ निजी विद्यालय संचालित है। स्कूल संचालक सब नियम कानून एक तरफ ताक में रखकर चला रहे हैं। स्कूल संचालक अपनी मनमानी तरीके से विद्यालयों का संचालन कर रहे है, संचालकों को किसी बात का डर नहीं, ना तो विद्यालय में पर्याप्त मात्रा में खेल का मैदान है और नहीं पीने का पानी का मटका और नहीं खेल सामग्री पर्याप्त मात्रा में है न हीं पढ़ाई के मामले में सभी विद्यालय पहली से पांचवी तक के बच्चों को विषयों पर जानकारी नहीं। विद्यालय में पढ़ाई हो ना हो बस स्कूल की फीस आने दो वह भले ही लोकडाउन का मामला क्यों ना हो, फिस जमा करोगे तो दाखिला मिलेगा नहीं तो दाखिला नहीं। भले ही मध्य प्रदेश सरकार शिवराज सिंह चौहान शिक्षा के बिना जीवन सूना, स्कूल चले हम का भले ही ढिंढोरा पीट रहे हो। निजी विद्यालय के आलम कुछ और ही है। स्कूल संचालक सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा दी है। क्या निजी विद्यालयों पर जिला प्रशासन का अधिकार नहीं है, क्या जिला प्रशासन को निजी विद्यालयों की समय-समय पर जांच करना चाहिए....? अनियमितता देख कर उचित कार्रवाई भी करना चाहिए ताकि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ ना हो सके।

क्या है मामला

पारा गांव राणापुर रोड स्थित निजी स्कूल गुरुकुल पब्लिक स्कूल पारा। इसी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र और छात्रा का ज्ञान प्रजापत व उसकी बहन दृश्य प्रजापत दोनों बहन गुरुकुल में अध्ययनरत हैं। बच्चो के पिता कन्हैया प्रजापत का कहना है कि, दोनों बच्चे पढ़ाई में कमजोर रहे हैं, इसके वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। जिसके लिए दाखिले की जरूरत है, जब बच्चों के पालक कन्हैया अपने बच्चों का दाखिला लेने स्कूल गए तो स्कूल संचालक राजेश मिश्रा ने यह कहा कि, स्कूल की पूरी फीस जमा कराओ फिर दाखिला मिलेगा। बच्चों के पिता ने कहां लॉकडाउन की फीस छोड़कर पूरी फीस जमा करवा दूंगा। संचालक राजेश बोला मैंने सभी से लॉकडाउन की फीस ली है, आपको भी जमा करनी होगी। कन्हैया बोला लॉकडाउन में तो सभी स्कूलों में ताले लगे हुए थे फिर यह कैसी फिस प्रजापत का कहना है कि, लॉकडाउन के समय सरकार ने निर्देश दिए थे की निजी स्कूलों में भी फीस नहीं ली जाए। प्रजापत अपने लड़के-लड़की को दाखिले के लिए पिछले आठ-दस दिनों से स्कूल के चक्कर लगा रहा है पालक का यह भी कहना है कि, बच्चों के एडमिशन के समय स्कूल संचालक ने कक्षा पहली से पांचवी तक दोनों बच्चों की फीस 11 हजार 5 सौ रूपये बताई थी, दाखिला निकालते वक्त फिश ज्यादा बताई जा रही है। बात नहीं बनी तो कन्हैया बोला मैं झबुआ कलेक्टर को शिकायत करूंगा। तो संचालक बोला कि, तू कहीं पर भी जा मेरी भी दिल्ली तक पहुंच है यहां कहकर भगा दिया, दाखिला नहीं दिया। इसका मतलब यह हुआ कि, निजी विद्यालयों व शिक्षा विभाग में गांधी चौक की अच्छी खासी बंदर बाट हो रही है। स्कूल के गुरु होकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है। सूत्र तो यह भी बताते हैं समय-समय पर कर्मचारियों को पगार भी नहीं दी जाती है।

विधानसभा को लेकर राजनीति गर्म, पत्रकार वार्ता के जरिये सांसद गुमानसिंह ने पेटलावद विधानसभा से उतरने का किया दावा

दो-चार नेताओं में सिमटे, पांच सालों बाद पुराने नेताओं के घर लगाई हाजरी

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के पीछे पेटलावद विकास खण्ड क्षेत्र में स्वीकृत करोड़ो की लागत की सड़कों और ग्रामीण क्षेत्रो में वर्षो पुरानी समस्याओं से निजाद दिलाने की थी लेकिन प्रेस वार्ता में जो कुछ हुआ उससे साफ था, ये प्रेस वार्ता स्वीकृत सड़को ओर भाजपा के बखान के लिए नही बल्कि खुद गुमानसिंह डामोर ने स्वयं की पेटलावद विधानसभा की दावेदारी की शुरुआत के लिए थी। प्रेस कांफ्रेंस में पेटलावद विधानसभा से भाजपा की मुख्य दावेदार पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया, जिलाध्यक्ष भानु भूरिया, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, पेटलावद मण्डल अध्यक्ष संदीप मांडोत, जिला कोषाध्यक्ष महावीर भंडारी सहित पेटलावद विकास खण्ड के कई महत्त्वपूर्ण नेता उपस्थित रहे। पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस सांसद गुमानसिंह डामोर के इर्द-गिर्द घूमती रही, प्रेस कांग्रेस में कई जगहों पर ऐसे विषय भी सांसद डामोर द्वारा रखे गए जिससे उनकी पेटलावद विधानसभा से मैदान से उतरने की रुचि दिखाई दी। पूर्व मंत्री और क्षेत्र का पांच बार नेतृत्व कर चुकी निर्मला भूरिया पूरी कॉन्फ्रेंस के दौरान मौन नजर आई, उनके चेहरे की परेशानी साफ बता रही थी कि, इस बार पेटलावद विधानसभा से उनकी दावेदारी खतरे में है । जिलाध्यक्ष भानु भूरिया भी कांग्रेस को चुनौती देते समय सांसद डामोर तक ही सीमित रहे। प्रेस वार्ता खत्म होने के बाद उपस्थित भाजपा नेताओं में निर्मला भूरिया से मुलाकात करने में कोई रुचि नही दिखाई ।

रात में अचानक घर-घर देवरे धोकने पहुंचे डामर

झाबुआ से पेटलावद विकास खण्ड पहुंचते ही पहले ग्राम बनी में काफी समय वहां के लोगों के बीच रहे। इसके बाद वहां सांसद निधि से कार्य करने की घोषणा तक कर दी। पेटलावद में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सारंगी पहुँचकर कार्यक्रम में भाग लिया और स्वीकृत कार्यों का भूमिपूजन किया। इन सब आयोजनो में एक बात देखने को मिली कि, सांसद डामोर स्थानीय नेताओं के नाम और कंधे पर हाथ डालते दिखाई दिए। रात की लगभग 9 बजे दोबारा पेटलावद पहुँचे और सांसद बनने के बाद पहली बार इस तरह से कार्यकर्ताओ के साथ भाजपा के पुराने नेताओं के देवरे पहुँचकर धोक देने पहुँच गए। जिससे सांसद की विधानसभा की दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

छूट भिया नेताओं से घिरे सांसद के नेतृत्व को अस्वीकार कर चुके है स्थानीय नेता और कार्यकर्ताओ

विगत दिनों केंद्र सरकार की ओर से अर्द्ध पूर्णकालिक विस्तारक कार्यकर्ताओ के माध्यम से हर विधानसभा का फीडबैक लिया गया था। महाराष्ट्र से आये तीनो मंडलों में अर्द्ध पूर्णकालिक विस्तारक के सामने सांसद गुमानसिंह की हठधर्मिता और निर्मला भूरिया असक्रियता सामने आई थी। सांसद डामोर राजनीति में प्रवेश के बाद से उनके निजी कार्यकर्ताओ से घिरे रहे और कई छूट भिया नेताओं ने उनके नाम पर जमकर लाफी लूटी जो आज भी जारी है। सांसद के मुह लगे नेताओं की हालत इतनी खराब है कि, स्वयं के दम पर 10 कार्यकताओं को जमा नही कर सकते। दूसरी ओर अपनी जेब भरने के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारीयो को भी निपटाने में देर नही की, वर्तमान में ट्रांसफरो को लेकर कई नेताओ आरोप है कि, उनके द्वारा दिये नामो के ट्रांसफर नही किये गए जिसके पीछे सांसद के करीबी रहे है। विधानसभा पेटलावद से चुनाव लड़ने के सपने देख रहे डामोर को भाजपा के माध्यम से इस बार कार्यकर्ताओ की फ़ौज नही मिलेगी ये तय है उल्टा विरोध में काम होना भी तय माना जा रहा है।

निर्मला के नाम पर मौन, अजमेर भूरिया की उपेक्षा

विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर पेटलावद विधानसभा की सर्वमान्य नेता निर्मला भूरिया का नाम कोई नही ले पाया और कमल के फूल को ही प्रत्याशी बताया गया। प्रेसवार्ता के दौरान तीन से चार दावेदार मौजूद रहे जो पेटलावद विधानसभा से टिकिट चाहते है। प्रेस वार्ता के दौरान एक ओर मुख्य दावेदार के रूप में उभर रहे भाजपा नेता और अजजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया भी उपस्थित थे लेकिन उनको किसी भी नेता ने मंच पर आमंत्रित नही किया और उपेक्षा के शिकार होकर पत्रकारो के पीछे बैठे रहे । प्रेस वार्ता के बाद जब उनसे इस उपेक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि, ये मीडिया देखे उनके चेहरे और बयान से साफ था कि इस उपेशा से खासे नाराज थे। खेर राजनीति में कोई स्थाई नेता नही है हर चुनाव नया चेहरा दे देता है, निर्मला भूरिया के लिए इस बार का सफर पूरी तरह से काटो भरा है जिनके नाम पर फिलहाल कार्यकर्ताओ में भारी निराशा है।

इन बिंदुओं से लगती है सांसद डामोर की तैयारी

** सांसद डामोर ने तीनो विधानसभा की जीत का दावा करते हुए कहा पेटलावद विधानसभा तो जीतेंगे ही जीतेंगे।*

** सांसद डामोर पेटलावद विधानसभा के पांचों मण्डल में लगातार घूमने का दावा करते रहे।*

** पेटलावद विधानसभा में सबसे अधिक 100 करोड़ से अधिक के काम करने का दावा।*

** पेटलावद विधानसभा में सबसे अधिक रोड स्वीकृत कराने का दावा।'*

** अपने निजी कार्यकर्ताओ के अलावा अन्य नेताओं से भी चर्चा ओर नाम लेते दिखे ऐसा बहुत कम करते है ।*

** देर रात में पहली बार सांसद डामोर को पेटलावद के पुराने नेताओं की याद आई, अचानक उनके घर पहुँच गए।'*

** रेलवे संबंधी क्षेत्र की मांगों को पूरी करने पर पहली बार एक्टिव नजर आए, जबकि लम्बे समय से लोगो की मांग पर ध्यान नही दिया गया।*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422